R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 26
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 04 अक्टूबर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

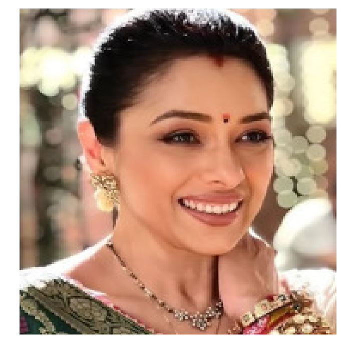

3 प्रभारी मंत्री ने कोर कमेटी के सदस्यों के साथ ...
5 नम आंखों के साथ मैया रानी की प्रतिमा का ...
7 टीआरपी की रेस में 'अनुपमा' का जलवा बरकरार

300 किमी अंदर घुस गए, 4-5 एफ-16 फाइटर जेट गिराए
आईएएफ चीफ ने बताया कैसे भारत के हमलों ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय भारतीय सशस्त्र बलों की एकता को देते हुए कहा कि इसने दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर करने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढाँचे को निशाना बनाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के तहत सटीक हवाई हमले किए। भारत ने अपने हमले में नौ आतंकवादी शिविरों पर हमला किया और 100 से ज़्यादा आतंकवादियों का सफाया कर दिया। 93वें वायुसेना दिवस समारोह में बोलते हुए, एयर मार्शल सिंह ने कहा कि आतंकवादियों को पहलगाम के कायराना हमले की कीमत चुकाने की भावना थी। उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिक्रिया इतिहास में एक स्पष्ट उद्देश्य के साथ शुरू हुई और बिना ज़्यादा समय गँवाए तेज़ी से पूरी हुई प्रतिक्रिया के रूप में दर्ज की जाएगी।

उन्होंने सीमा पार से चार दिनों की गोलीबारी के बाद 10 मई को शत्रुता समाप्त करने के लिए बनी सहमति का ज़िक्र करते हुए कहा, 'हम उन्हें उस मुकाम तक पहुँचा सकते थे जहाँ वे युद्धविराम की माँग करें, युद्धविराम की माँग करें, और हमने एक राष्ट्र के रूप में उन अवसरों को समाप्त करने का भी फ़ैसला किया क्योंकि हमारे अपने उद्देश्य पूरे हो गए हैं। जहाँ तक आक्रामक कार्रवाई का सवाल है, भारतीय वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारत ने लंबी दूरी की मिसाइलों के साथ स्वदेशी रूप से विकसित और एकीकृत हथियार प्रणालियों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन इतिहास में भारत द्वारा की गई सबसे लंबी मारक कार्रवाई के रूप में दर्ज होगा। भारत ने 300 किलोमीटर से भी ज़्यादा अंदर घुसकर इसे अंजाम दिया गया और पाकिस्तान के अभियानों को काफ़ी हद तक कम कर दिया।

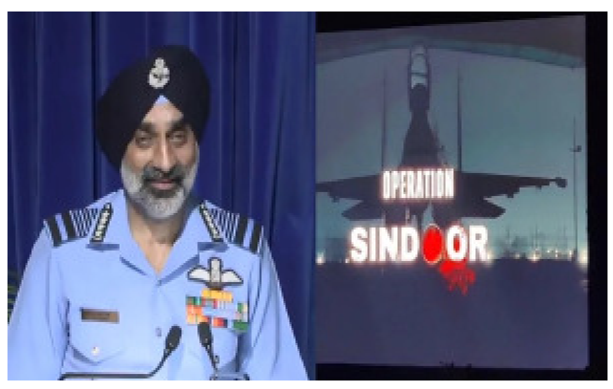

एयर मार्शल एपी सिंह ने यह भी खुलासा किया कि भारत ने पाकिस्तानी क्षेत्र में 300 किलोमीटर से भी ज़्यादा अंदर स्थित कम से कम पाँच उच्च तकनीक वाले लड़ाकू विमानों और एक अवाक्स (एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम) को मार गिराया। उन्होंने यह भी बताया कि ज़मीन पर दुश्मन के 4-5 विमान, संभवतः एफ-16, क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने बताया कि भारत ने चार रडार, दो कमांड सेंटर, एक हैंगर, एक सी-130 श्रेणी का परिवहन विमान, तीन से चार लड़ाकू विमान और एक सैम सिस्टम भी नष्ट कर दिया। वायुसेना प्रमुख ने ज़ोर देकर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद वायु शक्ति की प्रासंगिकता सामने आई है। उन्होंने आत्मनिर्भरता के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि युद्ध का स्वरूप निरंतर बदलता रहता है। अगला युद्ध पिछले युद्ध जैसा नहीं होगा। हमें भविष्य के लिए तैयार रहना होगा।

भाई-बाप के होते हुए बहन बेटियों को फंसाकर ले जाते हैं लव जिहादी-प्रज्ञा ठाकुर

भोपाल **(एजेंसी)**। पूर्व सांसद व भाजपा नेत्री साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने लव जिहाद को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। यूपी के इटावा में एक कार्यक्रम के दौरान 'लव जिहाद' के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि विधर्मी इतने निर्भीक हो गए हैं कि मां-बाप, भाई-बहन के होते हुए वे बहन-बेटियों को प्रेम जाल में फंसाकर ले जा रहे हैं। साध्वी प्रज्ञा ने कहा, 'हमारे यहां भाई के रहते बहन, पिता के रहते बेटियों और पति के रहते पत्नी को प्रेम जाल में फंसाकर ले जाते हैं। वे झूठे नाम बताते हैं और मातृशक्ति का भाव बिगाड़ते हैं, जबकि पुरुष सोते रहते हैं, जो शर्म की बात है।'

उन्होंने सनातन धर्म के अनुयायियों को अपने धर्म, समुदाय और महिलाओं की गरिमा व सुरक्षा के प्रति सजग रहने की सलाह दी। प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि किसी भी तरह की अनैतिक या आपराधिक घटना के सामने कानूनी, सामाजिक और आत्म-रक्षा के प्रभावी साधनों का उपयोग किया जाना चाहिए। साध्वी ने कहा, 'हम जिस महान भूमि के वासी हैं, हमें उसकी नैतिक और धार्मिक विरासत की रक्षा करनी चाहिए। अगर हम धर्म और देश की लाज नहीं बचा पाए, तो हमारा होना व्यर्थ है।' उन्होंने चंबल क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि चंबल के लोग अंग्रेजों के समय प्रताड़ना के बावजूद अपने अधिकार और मर्यादा की रक्षा करते थे। प्रज्ञा ठाकुर ने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा, 'मर-मरकर जीने के बजाय जीवन जीकर मरो। अगर आप ऐसा करेंगे, तो पूरा देश आपके साथ खड़ा होगा।

चंद्रशेखर आजाद पर फिर बड़े आरोप, रोहिणी बोलीं- प्यार में फंसाकर मेरा चीरहरण किया! इसका भी सम्मान नहीं बचेगा

भोपाल **(एजेंसी)**। बहुजन आंदोलन के नाम पर राजनीति करने वाले चंद्रशेखर आज़ाद पर रोहिणी घावरी ने एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि 'लड़की को प्रेमजाल में फंसाने के लिए इसने सारी हदें पार कर दीं। अब सवाल है कि क्या ऐसा इंसान बहुजन आंदोलन का वारिस बन सकता है?'

रोहिणी घावरी ने यह भी आरोप लगाया कि चंद्रशेखर खुद को बीजेपी सरकार का वरदहस्त प्राप्त बताता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'ये कहता था जब तक देश में बीजेपी की सरकार है, इसे कोई जेल में नहीं डाल सकता। लेकिन ठीक है, जनता की अदालत में तो फैसला होगा कि कौन सही है और कौन गलत।' सोशल मीडिया पर रोहिणी ने आगे लिखा है कि 'इसने मेरे सम्मान से खेला, भरोसे का कत्ल किया और समाज के सामने मेरा चीरहरण कराया। अब मैं इसका सम्मान बचने नहीं दूंगी। जैसे को तैसा ज़रूरी है, वरना दुनिया मूर्ख समझती है।' गौरतलब है कि हाल ही में रोहिणी घावरी ने चंद्रशेखर पर कई और संगीन आरोप लगाए थे और यहां तक कहा था कि वह उसके नाम का ज़हर खाकर अपनी जान तक दे सकती हैं।

पाकिस्तान के लिए अंतिम चेतावनी? आर्मी चीफ ने कहा- 'आतंकवाद रोको या परिणाम भुगतो'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने राजस्थान के अनूपगढ़ में सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार भारत 'ऑपरेशन सिंदूर 1.0' जैसा संयम नहीं दिखाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान ने राज्य प्रायोजित आतंकवाद को नहीं रोका, तो भारत की अगली कार्रवाई इतनी ज़बरदस्त होगी कि पाकिस्तान को यह सोचना पड़ेगा कि वह दुनिया के नक्शे पर अपनी जगह बनाए रखना चाहता है या नहीं।

विजयादशमी के अवसर पर सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने कहा, 'अगर पाकिस्तान दुनिया के इतिहास और भूगोल में अपनी जगह बनाए रखना चाहता है, तो उसे राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को बंद करना होगा।' उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर भारत को फिर उकसाया गया, तो इस बार की प्रतिक्रिया पहले से कहीं ज़्यादा ताकतवर होगी। उन्होंने कहा, 'इस बार हम वो संयम नहीं दिखाएंगे जो हमने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में दिखाया था और अगर फिर हमें उकसाया गया तो हम एक कदम आगे भी जाएंगे।'

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय सैनिकों को पूरी तरह तैयार और स्टैंडबाय पर रहने का निर्देश भी दिया। उन्होंने संकेत दिया कि सेना को जल्द ही एक और ऑपरेशन को अंजाम देने का मौका मिल सकता है। उन्होंने कहा, 'कृपया पूरी तरह तैयार रहें। ईश्वर की कृपा से आपको बहुत जल्द एक और मौका मिलेगा।'

सेना प्रमुख ने जिस ऑपरेशन सिंदूर 1.0 का ज़िक्र किया, वह 7 मई को किया गया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब थी, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान के भीतर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए सटीक हमले किए थे। इन हमलों में 100 से ज़्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया था।

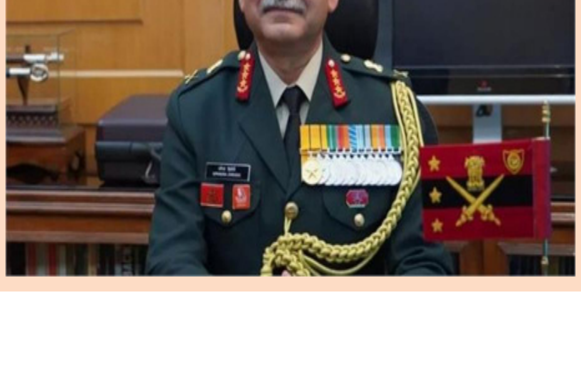

सरकारी कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा!
नीतीश सरकार ने बढ़ाया 3 फीसदी महंगाई भत्ता

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को बताया कि राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को दीपावली और छठ से पहले आर्थिक सौगात दी है। चौधरी ने बयान जारी कर कहा कि सरकार ने महंगाई भत्ता, राहत दर 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने को स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि यह संशोधित दर एक जुलाई 2025 से प्रभावी होगी। पहले एक जनवरी 2025 से 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जा रहा था, और अब केंद्र सरकार द्वारा एक जुलाई 2025 से 58 प्रतिशत दर स्वीकृत किए जाने के बाद बिहार सरकार ने भी अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को उसी तिथि से बढ़ा हुआ भत्ता देने का निर्णय लिया है। चौधरी ने कहा कि लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की जीवनयापन महंगाई से प्रभावित न हो, इसलिए सरकार उन्हें समय पर राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस फैसले से वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 917.78 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, जिससे उन्हें जीवनयापन की बढ़ती महंगाई और आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद सम्मानजनक कार्य और जीवनयापन सुनिश्चित हो सके। इसी प्रयास के तहत राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के अनुरूप महंगाई भत्ता, राहत की दर 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है।

दिल्ली में बदलने वाली है शराब बिक्री की पूरी नीति! अब हर स्टोर पर मिलेगी प्रीमियम ब्रांड्स

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली सरकार राजधानी में शराब बिक्री को लेकर एक नई नीति (लिकर पॉलिसी) लाने की तैयारी में जुटी हुई है। नीति का ड्राफ्ट लगभग तैयार हो चुका है और अनुमान है कि अगले एक महीने में इसे लागू किया जा सकता है। हाल ही में शराब नीति पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें दिल्लीवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने पर जोर दिया गया। प्रमुख चर्चा का विषय रहा प्रीमियम शराब ब्रांड्स को सभी दुकानों पर उपलब्ध कराना।

वर्तमान व्यवस्था में दिल्ली के अधिकांश स्टोर्स पर प्रीमियम ब्रांड्स उपलब्ध नहीं होते, जिसके कारण उपभोक्ताओं को पड़ोसी क्षेत्रों जैसे गुरुग्राम और नोएडा का रुख करना पड़ता है। इससे दिल्ली सरकार को भारी राजस्व घाटा हो रहा है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, नई नीति में इस समस्या का समाधान करने के लिए शराब की कीमतों को हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों के स्तर पर लाने की योजना पर विचार-विमर्श हुआ। इससे सीमावर्ती इलाकों में होने वाली क्रॉस-बॉर्डर खरीदारी पर रोक लगेगी और दिल्ली का राजस्व बढ़ेगा।

बैठक में बीयर पीने की न्यूनतम उम्र को कम करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया, लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस मुद्दे पर कोई अंतिम सहमति नहीं बन सकी। फिलहाल दिल्ली में शराब पीने की न्यूनतम उम्र 25 वर्ष है, और सरकार ने इस संबंध में अपनी तैयारी पूरी कर ली है। नई नीति को लेकर सरकार का स्पष्ट मत है कि इसका उद्देश्य केवल राजस्व वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाना और सामाजिक संतुलन बनाए रखना भी है।

सरकार शराब बिक्री के लिए नई नीति तय करने पर विचार कर रही है, जिसमें रिहायशी इलाकों के पास स्थित दुकानों को हटाने का प्रावधान हो सकता है। इसके अलावा, 'स्वच्छ और प्रीमियम आउटलेट मॉडल' की शुरुआत की संभावना है। इस मॉडल के तहत सभी दुकानों को स्वच्छ, अच्छी रोशनी वाली और सौंदर्यपूर्ण रूप से आकर्षक बनाना अनिवार्य होगा। इससे महिलाएं और अन्य उपभोक्ता सुरक्षित और सहज वातावरण में खरीदारी कर सकेंगे।

कोलंबिया में राहुल गांधी के बयान पर सियासी बवाल
भाजपा ने कांग्रेस सांसद को 'मोदी-ए-बिंदु' से ग्रस्त बताया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कोलंबिया में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया बयानों ने देश की राजनीति में भूचाल ला दिया है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस सांसद के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, '100 साल तक एक ही परिवार के शासन के बाद भी, अपने संगठन के पतन और सत्ता खोने से घबराकर, उस परिवार के मुखिया, जो आज भारत विरोधी ताकतों का पिछलग्गू बनता दिख रहा है, ने अपनी आदत के अनुसार, विदेशी धरती से एक और बयान दिया है, जो आश्चर्यजनक नहीं है।'

त्रिवेदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने 100 साल तक लोकतंत्र का चोला ओढ़कर राजशाही को जिंदा रखा, उनसे लोकतंत्र में भाषण देने से ज्यादा हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण कुछ नहीं हो सकता, और वह भी लोकतंत्र के सबसे बड़े प्रतीक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ।

त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में इतना अंधा हो चुका है कि उसे देश में हो रहा विकास दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा, 'जिसकी आंखों में 'मोदी-ए-बिंदु' है, उसे देश में हो रहा ये सब निर्माण दिखाई नहीं दे रहा। इसका मतलब है कि पीएम मोदी का विरोध करने की मानसिकता इतनी प्रबल हो गई है कि सच्चाई दिखाई देना बंद हो जाती है, और इंडिया गठबंधन, जिसके नाम में भारत हो सकता है, लेकिन दिल में भारत नहीं है, उसे 'मोदी-ए-बिंदु' मिल गया है।'

बता दें कि कोलंबिया में राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर भारत के लोकतंत्र को खतरे में डालने का आरोप लगाया, इसे देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने भाजपा-आरएसएस की विचारधारा को 'कायरता' पर आधारित बताते हुए कहा कि यह कमजोरों को निशाना बनाती है और देश की विविधता के लिए खतरा है। राहुल ने लद्दाख और बिहार में सरकार की नीतियों की भी आलोचना की थी।

कफ सिरप बना जानलेवा, मध्य प्रदेश में 9 बच्चों की किडनी फेल, राजस्थान भी चपेट में

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में पिछले दो हफ्तों में किडनी फेल होने से नौ बच्चों की मौत हो गई है। शुरुआत में इन मामलों को मौसमी बुखार माना जा रहा था, लेकिन राजस्थान में भी इसी तरह का मामला सामने आने के बाद अब स्वास्थ्य अधिकारियों को संदेह है कि अंग विफलता के ये मामले दूषित कफ सिरप के सेवन से जुड़े हैं। परासिया के अनुविभागीय मजिस्ट्रेट शुभम यादव ने नौ मौतों की पुष्टि की है और बताया कि एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। 1 अक्टूबर तक छह मौतें दर्ज की गई थीं।

इन दुखद घटनाओं के बाद, डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड सिरप के कुछ बैचों की तत्काल जांच की गई और राज्य भर में उनके वितरण पर रोक लगा दी गई है।

वर्तमान में, सर्दी, बुखार और फ्लू जैसे लक्षणों वाले 1, 420 बच्चों की सूची पर कड़ी नजर रखी जा रही है। यह प्रोटोकॉल तय किया गया है कि दो दिनों से ज्यादा समय तक बीमार रहने वाले किसी भी बच्चे को सिविल अस्पताल में छह घंटे निगरानी में रखा जाएगा। हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया जाएगा।

मृत नौ बच्चों में से कम से कम पांच ने 'कोल्डरेफ' और एक ने 'नेक्स्ट्रो सिरप' लेने की बात सामने आई है।

प्राइवेट डॉक्टरों को भी निर्देश दिया गया है कि वे वायरल रोगियों का निजी तौर पर इलाज न करें, बल्कि उन्हें सीधे सिविल अस्पताल भेजें। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि पीड़ितों पर किए गए पानी और मच्छर-संबंधी परीक्षण सामान्य रहे, और राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान को भेजा गया एक नमूना भी सामान्य पाया गया। सीएसआईआर द्वारा परीक्षण के लिए भेजे गए पानी के नमूनों की रिपोर्ट का इंतजार है।

रोग निगरानी के लिए केंद्र सरकार की नोडल एजेंसी, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, ने मध्य प्रदेश और राजस्थान के अस्पतालों और अन्य स्थानों से नमूने एकत्र किए हैं, ताकि किसी भी संक्रामक रोग की संभावना को खारिज किया जा सके।

इस बीच, राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने सिरप के 19 बैचों की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षण के परिणाम आने के बाद उन्हें राज्य के औषधि अधिकारियों के साथ साझा किया जाएगा।

दिग्विजय सिंह बोले- देश में तेजी से घट रही मुस्लिम आबादी, आरएसएस झूठ बोलकर दंगे भड़का रही और सरकार सो रही

भोपाल/झांसी **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने झांसी में आरएसएस और सरकार पर तीखे आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस एक नॉन रजिस्टर्ड संस्था है और इसके लोग दंगे भड़काने में शामिल रहते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब संस्था का रजिस्ट्रेशन ही नहीं है, तो इसके मेंबर कहां से होंगे। दिग्विजय ने कहा, कि 'आरएसएस कहता है कि मुस्लिम आबादी बढ़ रही है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि मुस्लिम आबादी भी तेजी से घट रही है। जबकि हिंदुओं की जनसंख्या अधिक घट रही है।' उन्होंने सरकार और अफसरों की नीयत पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सरकार चाहे तो दंगे कभी नहीं हो सकते। दिग्विजय ने कहा कि 'अगर कोई आई लव मोहम्मद कहता है और कोई आई लव रामजी, आई लव महादेव, आई लव कृष्ण भगवान, आई लव गांधीजी कहता है' तो इसमें किसी को क्या दिक्कत? इसमें मुकदमा दर्ज करने की क्या जरूरत है। बरेली और संभल घटनाओं पर उन्होंने कहा कि भड़काऊ भाषण देने वाले मौलान तौकीर रजा जैसे लोग सिर्फ मुसलमानों में नहीं, हिंदुओं में भी हैं। उन्होंने बुलडोजर कार्रवाई पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अवैध निर्माण पर कार्रवाई हो सकती है, लेकिन किसी एक व्यक्ति के अपराध के लिए उसके पूरे परिवार को दंड देना न्याय नहीं है। दिग्विजय ने वित्तीय मामलों पर भी आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कोविड के समय आरएसएस ने दावा किया कि जनता को 7 करोड़ रुपए मदद के रूप में दी गई, लेकिन यह नॉन रजिस्टर्ड संस्था बिना किसी बैंक खाता या ऑडिट के ऐसा कर रही है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी इस पर जवाब मांगने की बात कही।

जिलाधिकारी ने की जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षा

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शुक्रवार को उदयन सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक की।

ज्ञात हो कि बैठक में जिलाधिकारी ने ब्लॉक वार नियुक्त डायट मेंटर्स द्वारा विद्यालयों के भ्रमण के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता में पाई गई कमियों के सुधार के लिए की गई कार्यवाही की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि डायट मेंटर्स, ए.आर.पी. एवं खंड शिक्षाधिकारी आपसी समन्वय व रणनीति बनाकर कार्य करें, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके। उन्होंने कहा कि संघर्षशील व मध्यम विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड शिक्षाधिकारी से कहा कि अपने ब्लॉक को निपुण ब्लॉक बनाएं तथा निपुण तालिका एवं कार्य पुस्तिका को भरवाया जाय। उन्होंने प्राचार्य डायट को ठीक प्रकार से कार्य न करने वाले डायट मेंटर्स का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला टास्क फोर्स के अधिकारियों को निर्धारित संख्या में विद्यालयों का भ्रमण कर फीडिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों से कहा कि शेष रह गए कायाकल्प के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करा दिया जाय।

आरेडिका में माँ दुर्गा का पूजा दशहरा एवं रावण दहन संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना,रायबरेली के आवासीय परिसर में दिनांक 22.09.2025 से 02.10.2024 तक नवरात्रों के अवसर पर दुर्गा पूजा का उत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने माँ दुर्गा के नौ रूपों की आराधना करके कारखाने के विकास एवं कॉलोनी में शान्ति के लिए मंगलकामना की।

इस अवसर पर माँ दुर्गा पूजा समिति के द्वारा बच्चों एवं महिलाओं के लिए कई प्रतियोगिताएँ जैसे- डाण्डिया नृत्य, ढांक बंगाली नृत्य, रंगोली, पेंन्टिग, वाद्य यंत्र प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता बाल नृत्य, महिला नृत्य का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया, एक ओर किसी ने नृत्य कला के माध्यम से दर्शकों को मोहित किया तो वहीं दूसरी ओर रंगोली एवं पेंन्टिग में भी बच्चों ने अपनी कल्पनाओं में रंग भर कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

लोगों ने असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक दशहरा का त्योहार मनाया एवं शाम को रावण दहन का कार्यक्रम सरस्वती प्रेक्षागृह के प्रांगण में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आरेडिका के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रविश कुमार ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले बच्चों एवं महिलाओं को पुरस्कार प्रदान किये तथा उनके साथ जनसम्पर्क अधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव, सहायक एक्जीक्यूटिव इंजीनियर पंकज राय तथा माँ दुर्गा पूजा समिति के सदस्य नैब सिंह, आदित्य प्रकाश, अशीष श्रीवास्तव, महेश शर्मा, रोहित रंजन, सुमन मिश्रा, गुड्डू कुमार, आदि उपस्थिति रहे एवं सभी ने मिलकर रावण दहन किया और श्रीराम के जयकारे लगाए। इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों से समाज के लोगों को एक दूसरे की संस्कृतियों का सम्मान करने का अवसर प्राप्त होता है।

सदस्य राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का जनपद भ्रमण 8 अक्टूबर को

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शुक्रवार को उदयन सभागार में सदस्य राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग प्रियंक कानूनगो के जनपद में प्रस्तावित भ्रमण के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर अब तक गई तैयारियों की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सदस्य द्वारा 08 अक्टूबर,2025 को मानवाधिकारों एवं समावेशी विकास से संबंधित प्रमुख क्षेत्रों-रोजगार एवं कौशल विकास का अधिकार,बच्चों के अधिकार और किशोर न्याय प्रणाली, मानव तस्करी, वृद्ध व्यक्तियों/ वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार, पंचायतीराज संस्थाओं और स्थानीय स्वशासी निकायों का कामकाज,खेल और मानवाधिकार, युवा मामले, सांस्कृतिक, दार्शनिक और कलात्मक अभिव्यक्तियों में मानवाधिकार एवं बाल यौन शोषण सामग्री के कार्यान्वयन की स्थिति और भौतिक स्तर पर वास्तविकताओं की समीक्षा की जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि इसके अतिरिक्त किशोर न्याय बोर्ड (जे.जे.बी.), बाल कल्याण समिति (सी.डब्ल्यू.सी.), जेल विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शिक्षा विभाग (प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर) और अल्पसंख्यक विभाग के अधिकार से सम्बन्धित भी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सदस्य समीक्षा के पूर्व मध्यान्ह 12 बजे से 02 बजे तक संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में जनपद के नागरिकों से मिलेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समय से तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फूलपुर में दशहरा पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इफको घियानगर फूलपुर में दशहरा पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह द्वारा श्रीराम मंदिर में तथा कार्यक्रम स्थल में विधि-विधान से पूजा पाठ से शुरू हुआ। इस दौरान संक्षिप्त रामायण का चित्रण किया गया जिसमें विशेषतः राम-रावण युद्ध को दर्शाया गया। इफको घियानगर कालोनी में राम,लक्ष्मण,रावण हनुमान व अन्य पात्रों की भव्य शोभा यात्रा श्रृंगार चौकी हाथी,घोड़ा व ऊंट पर निकाली गई जोकि विशेष आकर्षण का केंद्र रही । इसके पूर्व माँ दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन इफको टाउनशिप के अंदर बने कृत्रिम तालाब में हुआ जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई तथा उसके पहले 'सिंदूर खेला'में सिन्दूर खेल कर भाव पूर्ण विदाई दिया ।सायं काल घियानगर मुक्तांगन में रावण का पुतला दहन किया गया तथा भव्य आतिशबाका आयोजन किया गया।

इकाई प्रमुख पी.के.सिंह ने अपने संदेश में घियानगरवासियों को दशहरे पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने संक्षिप्त रामलीला में भाग लेने वाले सभी पात्रों को पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन इफको रिक्रिएशन क्लब के सचिव डी.के.शुक्ला ने किया। इस दौरान महाप्रबंधक क्रमशः संजय भंडारी, पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक आर.पी.यादव, पी.के.त्रिपाठी,संदीप गोयल, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव तथा बड़ी संख्या में इफको घियानगर के लोगों ने सपरिवार दशहरे पर्व का आनंद लिया।

कलयुग में भ्रष्टाचार सबसे बड़ा रावण का पुतला दहन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आज विजयादशमी के त्रेता के रावण की नहीं बल्कि आधुनिक कॉल के रावण का पुतला दहन कर भ्रष्टाचार के खत्म होने की कामना की गई। यह अनूठी पहल प्रयागराज के शहीदवॉल पर गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी आयोजित की गई।

भ्रष्टाचारी रूपी रावण का 10 शेर बनाया गया था और उसका पेट घूस से भरा था। यह दर्शाता है कि आजाद भारत में भ्रष्टाचार किस कदर बढ़ता जा रहा है। आयोजक डॉ प्रमोद शुक्ला ने कहा कि शहीदों ने आजाद भारत में भ्रष्टाचार के सपने नहीं देखे थे इसलिए हम लोगों ने शहीदों के सपनों के भारत को बनाने के लिए प्रतीक रूप में

सिविल लाइंस रामलीला कमेटी से जुड़े रघुनाथ द्विवेदी वह अन्य ने भ्रष्टाचार मुर्दाबाद का नारा लगाया और अंत में भ्रष्टाचार रूपी रावण को नष्ट कर दिया गया।

आज विजय दशमी के अवसर पर रावण दहन की विशेष परंपरा चली आ रही है इसी अवसर पर आज प्रयागराज के शहीद वॉल पर भी भ्रष्टाचारी रूपी रावण का पुतला दहन किया ।

लोगों ने बताया कि आज हमने भ्रष्टाचारी रूपी रावण दहन शहीद वॉल पर किया है इसका उद्देश्य है कि समाज में भ्रष्टाचार जल्द से जल्द खत्म हो हालांकि 2014 में मोदी सरकार आने के बाद भ्रष्टाचार पर रोक लगी है लेकिन और खत्म हो इसी संदेश के साथ आज यह दहन किया गया।

अमेजन फ्रेश का भारत में 270 से अधिक शहरों में विस्तार, उत्तर प्रदेश के नए शहरों में गोरखपुर शामिल

मंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर । अमेजन इंडिया ने जारी अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के दौरान अमेजन फ्रेश को देश भर के 270 से अधिक शहरों में विस्तार करने की आज घोषणा की। यह मील का पत्थर अमेज़न की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह ताजे फल और सब्जियां, किराने का सामान, घरेलू आवश्यकताएं और क्षेत्रीय पसंदीदा उत्पाद लाखों ग्राहकों तक भारत में उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। नए शामिल किए गए शहरों में उत्तर भारत में गोरखपुर, देहरादून, जालंधर और ज़िरकपुर; दक्षिण भारत में कोयंबटूर, नेल्लोर, हसन, कोडागु, वारंगल, विजयनगरम, वेल्लोर, तिरुपति, कोट्टायम, कोल्लम और हुबली; पूर्व भारत में जमशेदपुर, आसनसोल और दुर्गापुर सहित अन्य शहर शामिल हैं।

अमेजन फ्रेश इंडिया के निदेशक श्रीकांत श्री राम ने कहा, 'अमेजन फ्रेश ने सिर्फ दो साल में अपनी पहुंच में 4.5 गुना और उत्पाद चयन में 10 गुना वृद्धि की है, जिससे पूरे भारत में परिवारों के लिए ऑनलाइन किराने की खरीदारी का तरीका बदल गया है. 270 से अधिक शहरों में विस्तार करके, हम घरेलू आवश्यकताओं और त्योहारों के पसंदीदा उत्पादों को पहले से कहीं अधिक घरों तक उपलब्ध करा रहे हैं। यह अमेजन फ्रेश विक्रेताओं के नेटवर्क और शहरों में मौजूदगी के विस्तार के साथ-साथ अमेजन की उन्नत

डिलीवरी क्षमताओं के कारण संभव हुआ है, जिसने भारत के सबसे बड़े ओमनी चैनल किराने के नेटवर्क में से एक स्थापित किया है। इस अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल में, हमारा ध्यान ताजगी, बचत और सुविधा प्रदान करने पर है, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत की सभी चीज़ें प्राप्त करते हुए अपने प्रियजनों के साथ जश्न मनाने में अधिक समय बिता सकें।'

अमेजन फ्रेश पर विक्रेता मोअर रिटेल लिमिटेड (एमआरएल) के प्रबंध निदेशक विनोद नाम्बियार ने कहा, 'अमेजन फ्रेश पर हुए विकास से हम बहुत खुश हैं। हमने अपने 370 से अधिक मोअर ऑफलाइन स्टोर्स को अमेजन फ्रेश ग्राहकों को सेवा देने के लिए परिवर्तित किया है। इससे हमारा अमेजन फ्रेश पर व्यवसाय 2024 में साल-दर-साल 65इ की वृद्धि के साथ बढ़ा है और यह अब भी काफी तेजी से बढ़ रहा है।'

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 अंतर्गत विशेष जागरूकता अभियान

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के निर्देशन में जनपद कौशाम्बी के समस्त थानों पर मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया गया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर समस्त थानो की एंटी रोमियो टीम एवं शक्ति दीदी दल द्वारा बाजारों, कस्बों, गांव, मंदिरों एवं दुर्गा पंडालों का भ्रमण कर बालिकाओं एवं महिलाओं को साइबर अपराध से सुरक्षा, महिला सम्मान, नारी स्वावलंबन एवं शासन की योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उपस्थित आमजन को पर्व के दौरान सुरक्षा, शांति व सौहार्द बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया।

एएसपी ने भ्रमण कर शांति एवं सुरक्षा का लिया जायजा

कौशाम्बी। अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह के द्वारा शुक्रवार को जुमा की नमाज के अवसर पर मस्जिदों में नमाज को सकुशल संपन्न कराये जाने एवं समसामयिक प्रकरणों के दृष्टिगत थाना करारी के संवेदनशील स्थानों/ मस्जिदों पर भ्रमण कर शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था में नियुक्त पुलिसकर्मियों को चेक किया गया। एवं ड्यूटी पर नियुक्त पुलिस कर्मियों को मुस्तैद व सजग रहकर ड्यूटी करने हेतु मार्गदर्शन किया गया। इस दौरान धर्मगुरुओं एवं आमजनमानस से वार्ता की गयी तथा आगामी त्यौहारों को भी शांति एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सहयोग की अपेक्षा की गयी, साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की बात कही गयी।

हाई-वोल्टेज कंडक्टिविटी उत्पाद निर्माता ओसवाल केबल्स लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। जयपुर मुख्यालय वाली ओसवाल केबल्स लिमिटेड ने बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस ('डीआरएचपी') दाखिल कर दिया है। कंपनी आईपीओ के माध्यम से 500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है, जिसमें 300 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू और 5 रुपये अंकित मूल्य के 2,22,00,000 तक इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

ओसवाल केबल्स लिमिटेड, एक इंटीग्रेटेड हाई-वोल्टेज कंडक्टिविटी उत्पादों की निर्माता है, जिसकी वोल्टेज रेंज 765 केवी तक है। इसका उपयोग ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन, नवीकरणीय ऊर्जा इंटीग्रेशन, रेलवे और औद्योगिक अनुप्रयोगों सहित महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे में किया जाता है। कंपनी ने हाल के वर्षों में मजबूत वित्तीय वृद्धि दर्ज की है, और टर्नओवर के मामले में खुद को भारत की शीर्ष दस केबल और कंडक्टर कंपनियों में स्थापित किया है। (स्रोतः एफ एंड एस रिपोर्ट)।

कंपनी ऑफर से प्राप्त शुद्ध आय का इस्तेमाल एक नई परियोजना स्थापित करने के लिए पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने और कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्जों का आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान/पूर्व-भुगतान करने के लिए करेगी। इसके अलावा अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए भी इस राशि का इस्तेमाल किया जाएगा।

ओसवाल केबल के व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो में स्टैंडर्ड कंडक्टर, एडवांस्ड कंडक्टर, एरियल बंच्ड केबल्स, लो-वोल्टेज एनर्जी केबल्स, रेलवे सिग्नलिंग केबल्स, सर्विस ड्रॉप केबल्स और कॉन्सेंट्रिक केबल्स शामिल हैं। विभिन्न स्पेसिफिकेशन्स और व्यापक वोल्टेज अनुप्रयोगों के अनुरूप ऐसे विविध उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ, कंपनी ऊर्जा ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन उद्योग के लिए एक व्यापक समाधान प्रदाता बन गई है।

तीन पीढ़ियों के पारिवारिक अनुभव और पांच दशकों से अधिक की बाजार उपस्थिति के साथ, कंपनी और उसके उत्पादों को ऊर्जा ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन उद्योग में कार्यरत 50 से अधिक ग्राहकों द्वारा अनुमोदित और सूचीबद्ध किया गया है, और इसने भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न गुणवत्ता और प्रक्रिया प्रमाणपत्र प्राप्त किए हैं।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में उमड़ा जनसैलाब : थरवई पुलिस की मौजूदगी में शांतिपूर्ण विसर्जन, भक्तों ने लिया भाग

थरवई। नवरात्रि महोत्सव का समापन दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के साथ हुआ। थरवई समेत आसपास के गांवों में माता दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की झांकियां पंडालों में सजाई गई थीं। श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति भाव से दर्शन करते रहे।विसर्जन के अवसर पर जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया। पांडिला महादेव के प्रांगण में नवयुवकों ने परंपरागत रूप से इस वर्ष भी दुर्गा प्रतिमा का आयोजन किया, जिसे जयकारों और भक्तों की गूँज से रोशन किया गया। मंच संचालन जय गुप्ता ने किया।नवरात्रि के अंतिम दिन कन्या पूजन, माता अन्नपूर्णा की परिक्रमा, सिन्दूर दान और डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुक्रवार को माता की प्रतिमा का विसर्जन नगर भ्रमण के साथ संपन्न हुआ। विसर्जन यात्रा में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सार्थक गुप्ता, जय गुप्ता, सत्यम पुष्पकर, दीप चंद, शरद, कल्लू, मन्नू त्रिपाठी, बच्चा केशरवानी, मयंक, लालू, छोटू, संदीप गिरी आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा मूर्ति विसर्जन एवं जुम्मे की नमाज़ के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु नगर के अटाला क्षेत्र, मिश्रित आबादी वाले प्रमुख कस्बों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस बल के साथ रूट मार्च कर कानून व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा सर्वसंबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त नगर, सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक सम्पन्न हुई।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन अंत्येष्टि स्थल के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर कड़ी नाराजगी प्रकट करते हुए संबंधित खंड विकास अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस एवं संबंधित सचिव,ग्राम पंचायत/ग्राम विकास अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। उन्होंने अंत्येष्टि स्थल के निर्माण के सापेक्ष वित्तीय प्रगति न पाए जाने पर अपर जिला पंचायतराज अधिकारी का वेतन रोकने एवं सभी जिला समन्वयकों को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने रेट्रोफिटिंग के शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए।

जिला पंचायतराज अधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबंधन के लिए एक और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट स्थापित कराए जाने के निर्देश प्राप्त हुआ है। जनपद के आकांक्षी विकास खंड कौशांबी की ग्राम पंचायत बारा में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट के निर्माण के लिए भूमि का चिन्हांकन कर का अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मालाक हरहर स्थिति फाफामऊ प्रयागराज,एसपीएस कंस्ट्रक्शन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रांगण में गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर गुरुवार को स्वच्छता पखवाड़ा सेवा के तहत आशा हेल्थ एंड वेलफेयर फाउंडेशन के अधक्ष्य डॉक्टर अंशुल शुक्ला एवं उनकी टीम नके द्वारा निशुल्क दवा वितरण एवं परामर्श दिया गया जिसमें कंपनी के 45 से ज्यादा अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया कंपनी के इस कार्यक्रम में विशाल जायसवाल एवं समाजसेवी अधिवक्ता मोहम्मद फैजान उपस्थित रहे।

आरेडिका में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती पर दिया स्वच्छता का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में 02.10.2025 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 156वीं जयंती के अवसर पर 'स्वच्छ भारत मिशन 5.0' के अन्तर्गत साफ-सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राकेश राज पुरोहित के साथ मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रवीश कुमार, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आभा जैन, प्रधान वित्त सलाहकार बीएल मीना, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी नीरज श्रीवास्तव, कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों तथा कर्मचारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की चित्रप्रतिमा पर 'माल्यार्पण' किया तथा पुष्प अर्पित किए।

इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों ने स्वच्छता की शपथ ली, कि हम साल में 100 घण्टे स्वच्छता के लिए श्रमदान करेंगे, हम न तो गन्दगी करेगें और न ही गन्दगी करने देंगें तथा आरेडकि के शॉपिंग कॉम्पलेक्स में झाडू लगाकर साफ-सफाई का लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द ने संविधान की प्रस्तावना और गांधी के विचारों पर चर्चा करते हुए अपने संबोधन में कहा कि बापू के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए हम सब को स्वच्छता के प्रति सजग रहना चाहिए। हमें अपने आस-पास की सड़को, गलियों, नालियों, पार्कों, स्कूलों एवं सेवा भवनों को साफ-सुथरा रखना चाहिए। इस अवसर पर जनसम्पर्क अधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव ने मंच संचालन का कार्य किया।

शुद्धि-सूचना

सर्वधारण का सूचित किया जाता है कि आयुषी सिंह (AYUSHI SINGH) के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश पिता का नाम अखिलेंश प्रताप सिंह अंकित है जो कि गलत है, सही नाम अखिलेंद्र प्रताप सिंह (AKHILENDRA PRATAP SINGH) है जो कि आधार कार्ड मे भी अंकित है, वास्तव मे लिखत-पढ़त में अखिलेंद्र प्रताप सिंह (AKHILENDRA PRATAP SINGH) को ही सत्य माना जाए ज़ो कि मेरी निजी जानकारी मे सत्य व सही हैं।

अखिलेंद्र प्रताप सिंह
पुत्र रिपुदमन सिंह
निवासी 174/13/1 न्यू मेंहदौरी, प्रयागराज उ0प्र0
मो0नं0 : 8299367595

प्रभारी मंत्री ने कोर कमेटी के सदस्यों के साथ विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की

जमीन से जुड़े विवादों, धारा-24 एवं दाखिल खारिज से सम्बंधित प्रकरणों को निर्धारित समयसीमाम में अनिवार्य रूप से निस्तारित करने के दिए निर्देश

ड्रोनों के उड़ान की प्रभावी मानीटरिंग कराते हुए अफवाहों को रोके जाने हेतु करें प्रभावी कार्यवाही

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रभारी मंत्री, जनपद प्रयागराज/मंत्री, जल शक्ति विभाग (सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि विकास, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग), उ0प्र0 स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता एवं कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में शुक्रवार को सर्किट हाउस के सभागार में कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में प्रभारी मंत्री ने जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने सभी तहसीलों एवं थानों में कार्यपद्धति में गुणात्मक सुधार लाये जाने एवं सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। मंत्री ने जमीन से जुड़े विवादों, धारा-24 एवं दाखिल खारिज से सम्बंधित प्रकरणों को निर्धारित समयसीमाम में अनिवार्य रूप से निस्तारित करने का निर्देश दिया है।

मंत्री ने कहा कि आलू एवं रबी फसल की बुआई का समय नजदीक होने के दृष्टिगत किसानों को डीएपी खाद व अन्य उर्वरको की उपलब्धता में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जिलाधिकारी को विधानसभावार जनप्रतिनिधियों, सम्बंधित अधिकारियों एवं सहकारी समितियों के साथ बैठक करते हुए खाद की उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद सहित अन्य किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाये। रबी की फसल की बुआई के समय किसानों के द्वारा डीएपी खाद की अधिक मांग की जाती है, इसके दृष्टिगत जनपद में पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद का स्टॉक बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति आवश्यकता से ज्यादा खाद का स्टॉक न रखे, इसकी भी निगरानी रखे जाने के लिए कहा है। कहा कि किसानों को इस बात का विश्वास दिलाया जाये कि खाद की कोई कमी नहीं है, परंतु जिसको जितनी आवश्यकता हो, उसी के अनुरूप किसान खाद का क्रय करें।

मंत्री ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए धारा-24 एवं दाखिल खारिज से सम्बंधित प्रकरणों को समयसीमा में निस्तारित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि जमीन से सम्बंधित छोटे से छोटे मामलो को प्राथमिकता से संज्ञान में लेते हुए सम्बंधित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौके पर जाकर उसका निस्तारण बिना पक्षपात के पारदर्शिता के साथ समय से सुनिश्चित करें, जिससे कि उसके कारण लोगो के बीच अनावश्यक विवाद न उत्पन्न होने पाये। उन्होंने कहा कि लेखपाल का पद राजस्व विभाग का एक महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी लेखपालों की कार्यप्रणाली के बारे में शिकायतें प्राप्त होती रहती है। उन्होंने ऐसे लेखपालों को जिनकी शिकायत अधिक है तथा जो लम्बे समय से एक ही क्षेत्र में तैनात है,

उनको चिन्हित करते हुए उनके कार्यक्षेत्र में परिवर्तन करने के लिए कहा है।

प्रभारी मंत्री ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस आयुक्त से जनप्रतिनिधियों के संदर्भित प्रकरणों में यथोचित कार्रवाई करते हुए कृतकार्यवाही से जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराने के लिए कहा है। मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के द्वारा पुलिस विभाग से सम्बंधित जब भी किसी प्रकरण को संज्ञान में लाया जाये, तो पुलिस विभाग के सम्बंधित अधिकारी उसपर गम्भीरता से विचार करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने पुलिस आयुक्त से ड्रोनों के उड़ान की प्रभावी मानीटरिंग कराते हुए अफवाहों को रोके जाने एवं चोरी के प्रकरणों में एफआइआर दर्ज कराते हुए घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने पुलिस विभाग को सोशल मीडिया के माध्यम से फैलायी जाने वाली किसी भी प्रकार की अफवाहों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए है।

मंत्री ने विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाये जाने एवं विद्युत बिल में अनियमित्ता से सम्बंधित शिकायतों को निस्तारित करने और खराब होने वाले ट्रांसफार्मरों को समयसीमा में बदलवाने के निर्देश दिए है।

कोर कमेटी की बैठक में सांसद व अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत शहरी क्षेत्र के एक थाने को चिन्हित कर वहां पर सभी पदों पर महिलाओं को नियुक्त करने का सुझाव दिए जाने पर प्रभारी मंत्री ने पुलिस आयुक्त से इस सम्बंध में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है। बैठक में जिलाधिकारी ने मिशन शक्ति-5.0 के तहत चलाये जा रहे अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मिशन शक्ति से सम्बंधित अन्य कार्यक्रमों के व्यापक रूप से चलाये जाने के साथ-साथ महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु जनसहयोग से एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है, जिसपर मंत्री के द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अभियान को और प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए कहा है।

बैठक में सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 वी0के0 सिंह, विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्य, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद, विधायक कोरांव राजमणि कोल, विधान परिषद सदस्य के0पी0 श्रीवास्तव, सुरेन्द्र चौधरी, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पासवान ने विभिन्न विषयों पर अपने-अपने सुझाव दिए।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त जोगेन्द्र कुमार, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर पुलिस आयुक्त डॉ0 अजय पाल शर्मा, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अमित पाल शर्मा, डीसीपी नगर, डीसीपी गंगानगर, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह उपस्थित रही।

डीसीपी यमुनानगर द्वारा यमुनानगर जोन के थानों के मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया गया तथा जुमा की नमाज के दृष्टिगत भ्रमण कर शांति एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया गया ।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए नमन किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने संगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उनको नमन किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में लोगो को गाँधी जयंती की शुभकामनायें देते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में हम सभी बचपन से ही जानते हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सामाजिक एवं व्यक्तिगत जीवन में जो सिद्धांत बनाये तथा जिसका अनुसरण करते हुए भारत वर्ष को गौरवशाली राष्ट्र बनाने के लिए प्रयास किया, उसे हमें अपने जीवन में अनुसरण एवं आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने आप में वह सारे परिवर्तन करना चाहिए, जो आप अन्य से अपेक्षा करते है। उन्होंने कहा कि गांधी जो भी कहते थे, उसे पहले अपनी जीवन शैली में स्वयं उतारते थे। गांधी के गुड़ खाने से जुड़े रोचक विषय को बताते हुए कहा कि जो अनुचित कार्य हम स्वयं कर रहे है, उसके बारे में दूसरे को नैतिक उपदेश नहीं दे सकते है। उन्होंने कहा कि यदि हम समाज में कोई भी बदलाव देखना चाहते है उसकी शुरूआत स्वयं से करनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि हम चाहते हैं कि हमारे अधीनस्थ ईमानदारीपूर्वक समय से कार्य करें, तो हमें स्वयं अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय पर्वों के अवसर पर हमें आत्मअवलोकन करना चाहिए और ऐसे अवसरों पर ही राष्ट्रभक्ति भावना जागृत करने के बजाय राष्ट्रभक्ति की भावना हमेशा रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सब राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे सकते है, उसके लिए विपरीत परिस्थितियां ही हो, यह जरूरी नहीं है। कहा कि आज हमें देशभक्त बनने के लिए गुलाम होने की आवश्यकता नहीं है।

जिलाधिकारी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समर्पण भाव से हम सब बड़े से बड़े लक्ष्य को निरंतर मेहनत से प्राप्त कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने सभी लोगो को अपने कार्यालय व आवास में स्वच्छता का विशेष ध्यान दिए जाने के लिए कहा। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने निर्णयों में अंत्योदय का लक्ष्य रखते हुए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सुचितापूर्ण कार्यप्रणाली की व्यवस्था बनाने एवं लोगो की समस्याओं का पूरी पारदर्शिता के साथ समाधान करने के लिए कहा।

इस अवसर पर डॉ0 अंकिता राज, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती विनीता सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा, अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्र, अपर जिलाधिकारी नजूल संजय पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी आपूर्ति विजय शर्मा, नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह सहित सभी अपर नगर मजिस्ट्रेट के द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किए गए।

इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी के अलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मंत्री नन्दी ने प्रयागराज के ऐतिहासिक दशहरा मेला में आए लोगों का किया स्वागत एवं अभिनन्दन

संस्कृति एवं विरासत का संरक्षण करना हर किसी की है जिम्मेदारीः अभिलाषा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यूं ही विश्व प्रसिद्ध नहीं है प्रयागराज का दशहरा और रामदल 'को कहि सकइ प्रयाग प्रभाऊ। कलुष पुंज कुंजर मृगराऊ।। अस तीरथपति देखि सुहावा। सुख सागर रघुबर सुखु पावा।।'

प्रयागराज की महिमा का वर्णन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने गुरुवार की रात से लेकर शुक्रवार की सुबह तक प्रयागराज के ऐतिहासिक दशहरा मेले में आए लोगों का आर्यकन्या चौराहे पर न्यू एकता संघ रोशनी कमेटी के मंच से प्रदेश सरकार की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

बुराई पर अच्छाई' तथा 'अधर्म पर धर्म' की मंगल विजय के महापर्व 'विजयादशमी के पावन अवसर पर मंत्री नन्दी देश की सर्वश्रेष्ठ रामलीला आयोजन समितियों में शामिल पथरचट्टी रामलीला कमेटी प्रयागराज द्वारा आयोजित भव्य रामलीला में सम्मिलित हुए। रामलीला का भव्य मंचन देखा।

मंत्री नन्दी ने कहा कि रामलीला का मंचन करोड़ों सनातनियों की आस्था, भारतीय संस्कृति और

परंपराओं का जीवंत उत्सव है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन आदर्शों, भक्ति और आस्था से ओतप्रोत यह मंचन जीवन मूल्यों को आत्मसात कराने वाला अविस्मरणीय अनुभव है।

इस अवसर पर सांसद उज्जवल रमण सिंह, पथरचट्टी रामलीला कमेटी के अध्यक्ष पं. मुकेश पाठक, रामलीला समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार भइया, रामलीला कमेटी के पदाधिकारी लल्लू लाल गुप्ता 'सौरभ' एवं अन्य पदाधिकारीगण व गणमान्यजन मौजूद रहे।

मंत्री नन्दी ने दशहरा मेला में हीवेट रोड रोशनी कमेटी विवेकानंद मार्ग के मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम एवं पवन पुत्र हनुमान को नमन कर मेले में आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर रोशनी कमेटी अध्यक्ष प्रहलाद जायसवाल, महामंत्री केके गुप्ता, कृष्ण कुमार अग्रवाल, मोहन पाल, विकाश चौरसिया, दीपू वर्मा, अरुण त्रिपाठी, चौक मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य, मन मोहन मिश्रा एवं अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

मंत्री नन्दी ने अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के आर्यकन्या चौराहे पर न्यू एकता संघ रोशनी कमेटी के मंच से दशहरा मेले में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों का सपरिवार स्वागत एवं अभिनन्दन किया। पूरी रात मंत्री नन्दी ने मेले का आनन्द लिया। दशहरा मेला एवं रामदल में आकर्ष का केंद्र रही झांकियों को देखा। मंत्री नन्दी ने सभी से अपने सनातन सभ्यता और संस्कृति को बनाए रखने की अपील की।

प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने कहा कि संस्कृति एवं विरासत का संरक्षण करना हर किसी की है जिम्मेदारी है।

कमांडेंट से पदोन्नत होकर उदय प्रताप सिंह बने डीआईजी

सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पडिला के, डीआईग्रुप केंद्र धीरज कुमार ने रैंक पहनाकर दिलाई शपथ

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पडिला में शुक्रवार को कमांडेंट उदय प्रताप सिंह को पदोन्नत कर डीआईबने ग्रुप केंद्र के डीआईधीरज कुमार ने परंपरागत रीति-रिवाज के अनुरूप उन्हें डीआईका रैंक पहनाकर पदभार ग्रहण कराया और नई जिम्मेदारी निभाने की शपथ दिलाई।

समारोह में डीआईधीरज कुमार ने कहा, 'सीआरपीएफ का हर अधिकारी और जवान अपने परिश्रम और निष्ठा से बल की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाता है। कमांडेंट उदय प्रताप सिंह का डीआईपद पर पदोन्नत होना पूरे बल के लिए गर्व की बात है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता से सीआरपीएफ को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।'ग्रुप केंद्र के मेंस क्लब में आयोजित समारोह में अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नवपदस्थापित डीआईका अभिनंदन किया। कार्यक्रम गरिमा और परंपरा से परिपूर्ण रहा।डीआईबने उदय प्रताप सिंह चंदौली जिले के निवासी हैं। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई पूरी की। वर्ष 1996 में वे सहायक कमांडेंट के पद पर सीआरपीएफ में भर्ती हुए।

प्रशिक्षण के बाद उनकी तैनाती असम, पंजाब, गुजरात (2002 दंगा), छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील व चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में रही, जहाँ उन्होंने उग्रवाद, नक्सलवाद व आतंकवाद के खिलाफ कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई।अगस्त 2022 में वे वाराणसी से प्रयागराज ग्रुप केंद्र पंडिला में कमांडेंट के रूप में तैनात हुए। इसी अवधि में उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024, सीआरपीएफ वार्षिक परेड 2024 (प्रयागराज में पहली बार आयोजित)

एवं महाकुंभ 2025 जैसे बड़े आयोजन व तैनातियों में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। उनके उत्कृष्ट कर्तव्यों के परिचय के चलते उन्हें पुलिस महानिदेशक, सीआरपीएफ द्वारा अब तक तीन 'डीडिस्क' पदक से सम्मानित किया जा चुका है।समारोह मे प्रमुख रूप से

डीआई(मेडिकल) डॉ. विनय अग्रवाल, कमांडेंट योगेश पुरोहित,224 वी आई पी बटालियन डॉ. अजीत कुमार दिवाकर, डॉ. बी.सी. यादव, डॉ. गणेश, द्वितीय कमान अधिकारी अशोक कुमार यादव, अमित कुमार सक्सेना, तरुण कुमार, उप कमांडेंट श्रीनिवास, के.के. झा, धनंजय यादव, प्रमोद कुमार, सहायक कमांडेंट अविनाश राय, प्रभात पांडेय, ओम प्रकाश, विवेक कुमार सिंह, समय जैन, प्रवेश कुमार शर्मा, दिनेश चंद्र मिश्रा, महाराणा बी.पी. सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व अधीनस्थ जवान मौजूद रहे।

जी टीवी कलाकारों ने साझा किए अपने दशहरा के किस्से

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हर साल पूरे देश में दशहरा बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्यौहार हमें याद दिलाता है कि चाहे चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अंत में जीत हमेशा अच्छाई की ही होती है। यह पर्व इंसान को अपनी मुश्किलों से ऊपर उठने, अपने सिद्धांतों पर टिके रहने और जीवन में सकारात्मकता अपनाने की प्रेरणा देता है। इसी मौके पर ज़ी टीवी के पॉपुलर कलाकार - 'तुम से तुम तक' की निहारिका चौकसे, 'जागृति-एक नई सुबह' के आर्य बब्बर, 'गंगा माई की बेटियां' की सृष्टि जैन, 'जाने अनजाने हम मिले' की जयती भाटिया, 'सरू' की मोहक मटकर और 'वसुधा' के अभिषेक शर्मा बता रहे हैं कि उनके लिए दशहरा क्या मायने रखता है और किस तरह यह पर्व उनके निऔर पेशेवर जीवन में जुड़ा है।

'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा सूर्यवंशी की भूमिका निभा रहीं जयती भाटिया ने कहा, 'एक बंगाली होने के नाते दशहरा हमेशा से मेरे दिल के बेहद करीब रहा है। बचपन में यह दिन मेरे लिए थोड़ा मीठा और थोड़ा कड़वा लगता था - क्योंकि इस दिन दुर्गा पूजा का समापन होता था और हम मां दुर्गा को विसर्जन के साथ विदा करते थे। 'गंगा माई की बेटियां' में सहाना का किरदार निभा रहीं सृष्टि जैन ने कहा, 'दशहरा अच्छाई की बुराई पर जीत का त्यौहार है और यह मेरे दिल के बहुत क़रीब है। 'तुम से तुम तक' में 'अनु' का किरदार निभा रहीं निहारिका चौकसे कहती हैं, 'मेरे लिए दशहरा हमेशा घर के उत्साह से जुड़ा है। याद है, मां सुबह-सुबह प्रसाद तैयार करतीं और घर को पूजा के लिए सजातीं। 'जागृति-एक नई सुबह' में कालीकांत ठाकुर का रोल निभा रहे आर्य बब्बर ने कहा, 'दुनिया में बुराई मौजूद है, लेकिन हर अंधेरी सुरंग के अंत में रोशनी होती है। न्याय की जीत होगी, नकारात्मकता मिटेगी और अच्छाई कायम रहेगी। दशहरे पर भगवानन्राम की रावण पर जीत हमें याद दिलाती है कि अपने भीतर की बुराइयों को भी हराना ज़रूरी है। यह आत्मचिंतन और नवीनीकरण का समय है। 'वसुधा' में देवांश की भूमिका निभा रहे अभिषेक शर्मा ने कहा, 'मेरे लिए दशहरा परंपरा, स्वादिष्ट पकवान और बचपन की खुशियों का पर्व है।

यह हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और उन मूल्यों की याद दिलाता है जो हमें गढ़ते हैं। इस दशहरे पर मैं यही कहूंगा कि हर कोई अपनी कहानी का नायक बने।'सरू' में सरू का किरदार निभा रहीं मोहक मटकर ने कहा, 'हर दशहरा हम अच्छाई की बुराई पर जीत देखते हैं। लेकिन असली जीत उन जंगों की है जो हम अपने भीतर लड़ते हैं - संदेह, धोखे और तकलीफ़ से। कहते हैं कि रावण के दस सिर थे, हर सिर एक बुराई का प्रतीक। इस दशहरे पर जब हम उसे जलते हुए देखते हैं, तो यह सवाल उठता है कि हमारे भीतर कितनी बुराइयां छिपी हैं और उन्हें मिटाने में कितना समय लगेगा?

मुक्त विश्वविद्यालय में गांधी जयंती पर प्रिय भजनों का गायन

राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका तय करें शिक्षक एवं कर्मचारी- कुलपति

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 2 अक्टूबर 2025 को गांधी जयंती पर गांधी के प्रिय भजनों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सर्वप्रथम गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके उपरांत गांधी के प्रिय भजन वैष्णव जन एवं रघुपति राघव राजा राम का गायन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने गांधी जयंती के अवसर पर गांधी के विचारों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा विश्वविद्यालय के विकास एवं समाज के निर्माण में अपना योगदान कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को तय करने पर बल दिया। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि गांधी ने अपना जीवन सत्य और अहिंसा के सिद्धांत पर जिया। गांधी ने सत्य और अहिंसा का पाठ भगवत गीता से सीखा। गीता में भगवान कृष्ण ने अर्जुन को बुराइयों पर अच्छाइयों की विजय तथा सत्य की स्थापना हेतु उपदेश दिया। इन विचारों को गांधी ने आत्मसात कर स्वतंत्र भारत के निर्माण में अपना योगदान दिया। पूरे जनमानस को जोड़ कर अंग्रेजों की दास्ताँ से देश को मुक्त कराया।

प्रोफेसर सत्यकाम ने इस पुण्य अवसर पर भूतपूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी नमन किया एवं संघ के 100 साल पूरे होने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने विजयदशमी के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम सचिव प्रोफेसर आनंदानंद त्रिपाठी ने तथा कार्यवाहक कुलसचिव एवं निदेशक समाज विज्ञान विद्या शाखा प्रोफेसर एस कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सम्पादकीय

रेपो दर वही, लेकिन खर्च और निवेश की रणनीति बदलने की जरूरत, आर्थिक संतुलन को बनाए रखना होगा

देश में केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों के संबंध में जो फैसला लिया जाता है, उसका असर मुख्यतः बाजार में ऋण चुकाने के लिए मासिक किस्तों पर किसी वस्तु की खरीदारी से लेकर जमीन-जायदाद के कारोबार पर भी पड़ता है। इसलिए जब भी रेपो दरों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होती है, तब इसे लेकर आम लोगों के बीच उत्सुकता रहती है। हालांकि ज्यादातर साधारण लोगों को अर्थव्यवस्था के जटिल नियम-कायदों से बहुत वास्ता नहीं होता और वे ऐसे फैसलों के अमल के बाद बनने वाली स्थितियों पर निर्भर रहते हैं कि उनकी जेब ढीली होगी या उन्हें राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि बुधवार को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की गई कि इस बार भी नीतिगत दरों में में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी बीते अगस्त की तरह अक्तूबर में ब्याज दर को 5.5 फीसद पर ही यथावत रखा गया है। कहा जा सकता है कि त्योहारों के इस मौसम में अगर लोगों को अतिरिक्त राहत नहीं मिली है, तो कोई बड़ा झटका भी नहीं लगा है। हालांकि पिछले कुछ समय से भारत सहित दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, उसमें आम लोगों का आशंकित होना स्वाभाविक है।

दरअसल, अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने की नीति पर कदम बढ़ाने के बाद भारत सरकार ने आंतरिक मोर्चे पर अर्थव्यवस्था को संभालने और आम लोगों को राहत देने के लिए जिस तरह माल एवं सेवा कर के ढांचे में बदलाव करने सहित कुछ अन्य कदम उठाए, उसमें रेपो दरों को लेकर भी लोगों के बीच यह उम्मीद बंधी थी कि इसमें भी कोई राहत का संदेश आएगा। मगर केंद्रीय बैंक की ओर से इसे यथावत रखने की घोषणा के बाद अब संभव है कि लोगों को अपने आर्थिक मामलों में थोड़ा संतुलन का ध्यान रखना होगा।

इससे पहले इस वर्ष रेपो दरों में तीन बार कटौती के साथ इसमें सौ आधार अंकों की कमी की जा चुकी है। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ावों का सामना करने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जैसी चुनौतियां खड़ी हैं, उसमें स्थिरता बनाए रखने के उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिल सकती है।

केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों को लेकर जो फैसले लिए जाते हैं, उसके तहत अगर इसमें कमी की जाती है, तो उसे मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता है। ऋण का सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर निर्भर करता है।

इसका सीधा और पहला असर वैसे उपभोक्ताओं पर पड़ता है, जिन्होंने घर, वाहन या अन्य सामान या फिर शिक्षा के लिए बैंकों से कर्ज लिया होता है। चूंकि रिजर्व बैंक की नीतिगत दरों के अनुरूप ही व्यावसायिक बैंक उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले ऋण और अन्य सावधि जमा के मद में ब्याज की दरों का निर्धारण करते हैं, इसलिए वैसे लोग भी रिजर्व बैंक की ओर से नीतिगत दरों में कमी किए जाने का इंतजार करते हैं, जो कर्ज सस्ता होने के बाद कुछ खरीदने या कहीं निवेश करने के बारे में सोच रहे होते हैं।

इस लिहाज से देखें तो इस बार नीतिगत दरों के यथावत रहने से ऋण की मासिक किस्तों में कोई बदलाव नहीं होगा। इससे बाजार की मौजूदा गति में कोई बड़ा अंतर शायद न आए, मगर इस वर्ष वाहन और जमीन-जायदाद के कारोबार में जो थोड़ी हलचल दिखी है, उसमें स्थिरता कायम रहने की उम्मीद की जा सकती है।

भविष्य की आपदा, अभी भी गर्मी बढ़ाने में लगे हैं दुनिया के 17 बड़े देश, 2030 तक बढ़ाएंगे कोयला, तेल और गैस उत्पादन

जलवायु परिवर्तन पर कुछ समय पहले आई एक रपट में चेतावनी दी गई है कि पेरिस जलवायु समझौते के दस साल बाद भी कई देश जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं, जो चिंताजनक है। इसमें कहा गया है कि अनेक देशों की सरकारें वर्ष 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल में तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 फीसद अधिक है।

पेरिस समझौते के अब दस साल पूरे होने जा रहे हैं। इसके मुताबिक, दुनिया भर के देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित 'सीओपी 28' में विभिन्न देशों ने ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर रुख करने के आह्वान पर पूरी तरह सहमति व्यक्त की थी।

स्टाकहोम एनवायरमेंट इंस्टीट्यूट और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट एनालिटिक्स की 'उत्पादन अंतराल रपट 2025' के अनुसार, जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने के बजाय कई देशों की सरकारें अब सामूहिक रूप से वर्ष 2035 तक कोयला उत्पादन, 2050 तक गैस उत्पादन और सदी के मध्य तक तेल उत्पादन में निरंतर वृद्धि की योजना बना रही हैं।

ऐसे में जो चुनौतियां खड़ी होंगी, उसके मद्देनजर कहा जा सकता है कि आने वाले दशकों में जीवाश्म ईंधन के उत्पादन में और भी कमी लाने के लिए कदम उठाने होंगे। यह काम निश्चित रूप से चुनौती भरा होगा। इस रपट में अमेरिका, चीन, रूस, सऊदी अरब, भारत और आस्ट्रेलिया सहित बीस प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों को शामिल कर एक विश्लेषण किया गया है। इसमें पता चला है कि सत्रह देश अभी भी 2030 तक जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। यानी कोयला, तेल या गैस का उत्पादन पहले की तुलना में कहीं अधिक होगा।

रपट में बताया गया है कि वर्ष 2030 तक कोयला उत्पादन 1.5 डिग्री सेल्सियस के अनुरूप स्तर से 500 फीसद अधिक होगा। इसी तरह तेल इकतीस और गैस का उत्पादन बानबे फीसद से अधिक होगा। जबकि वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इन देशों ने वर्ष 2040 तक कोयले का उपयोग लगभग समाप्त करने और 2050 तक तेल एवं गैस उत्पादन में तीन चौथाई कटौती करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

धरती पर रहने वाले संपूर्ण जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन से वर्तमान और भविष्य में पैदा होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य के जीवन और जलवायु परिवर्तन के बीच दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों के मुताबिक, औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और शहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तापमान बढ़ रहा है। यह पृथ्वी के लिए घातक है। स्वाभाविक रूप से इससे न केवल मानव सभ्यता पर असर पड़ेगा, बल्कि धरती पर हर जीव-जंतु प्रभावित होंगे।

ऐसा ही रहा तो इस सदी के अंत तक पृथ्वी पर गर्मी 2.7 फीसद बढ़ जाएगी, जिस कारण कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्ष एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन (सीओपी) आयोजित किया जाता है। इसकी पिछली बैठक दुबई में हुई थी। पेरिस समझौते के तहत भागीदार देशों ने जो वचनबद्धता जताई थी, उसके अंतर्गत वास्तव में अभी तक छप्पन देशों ने ही संयुक्त राष्ट्र मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है।

इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन, जापान और भारत भी शामिल हैं। मगर रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष के कारण कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण के लिए जो कार्य किया जाना चाहिए था और नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जाना था, वह उम्मीद के अनुरूप नहीं हो रहा है। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयले से ऊर्जा उत्पादन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें अब फिर से चालू करने की तैयारियां हो रही हैं।

गौरतलब है कि ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। दरअसल, 1500 ईसवीं में बड़े पैमाने पर कोयला उत्खनन की शुरुआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का इस्तेमाल लंबे समय तक होता रहा। दुनिया भर में रेलगाड़ियां कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जला कर किए जाते रहे हैं। धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की शुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी।

इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया, तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप 16 फरवरी, 2005 को जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इसमें शामिल देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानिकों ने एकमत होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इस संधि पर 192 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं।

इस समय दुनिया में चल रहे दो भीषण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि वर्ष 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का उपयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत और चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन चालीस देशों ने कोयले का इस्तेमाल बंद कर देने का भरोसा दिया था। वहीं, बीस देशों ने विश्वास दिलाया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्र बंद कर दिए जाएंगे, मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन बदले हालात में अगर हमें जिंदा रहना है, तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी।

अगर तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है, तो कार्बन उत्सर्जन में 43 फीसद कमी लानी होगी। आइपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। अगर कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है, तो असमय सूखा, बाढ़ और जंगलों में आग की घटनाओं का निरंतर सामना करना पड़ सकता है। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर ही होगा, ऐसा नहीं है। इससे समुद्र का तापमान भी बढ़ेगा, जिससे तटवर्ती क्षेत्रों के कई शहरों का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा।

चिंता में जीते-जीते दुनिया से चले जाओगे, बेहतर है आज को खुलकर जी लो; कल की फिक्र में आज को न गंवाएं

जीवन में चिंता उस दिन शुरू हो जाती है, जिस दिन हम होश संभालते हैं। लेकिन आज की स्थितियां कुछ अलग दिखने लगी हैं। अब तो बच्चा दो-तीन वर्षों में ही स्कूल जाने लगता है। मां-पिता से लेकर बच्चा, तीनों को ही चिंता होनी शुरू हो जाती है, क्योंकि तब बच्चे के स्कूल की पढ़ाई और गृहकार्यों से लेकर उसे स्कूल में क्या पहनकर जाना है, क्या खाना है, सभी चीजों पर चिंता दिलोदिमाग पर बैठने लगती है। आजकल के अभिभावक पहले जैसे नहीं रह गए हैं। पहले कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता था कि बच्चा किस स्कूल में जाएगा या फिर उस स्कूल का 'स्टेटस सिंबल' या 'ऊंची हैसियत का प्रतीक' भी कुछ है या नहीं। अब तो बच्चा पैदा होने के साथ ही माता-पिता की चिंता शुरू हो जाती है। शुरुआत से लेकर आगे तक के स्कूलों के चुनाव को लेकर 'स्टेटस सिंबल' का मानस काम करता है। इसी के साथ शुरू हो जाता है खर्चो का सिलसिला।

जब किसी को अपने और घर के खर्चे के साथ बच्चे को एक महंगे स्कूल में पढ़ाना है, तो चिंता स्वाभाविक है। इसके बाद अपने रहन-सहन से लेकर हर वह चीज, जो हमारी शानो-शौकत को दिखाती है, उसमें खर्चों की कोई गिनती नहीं रह जाती। मगर क्या हम गौर कर पाते हैं कि हैसियत के दिखावे की यह भूख हमें ऐसी जगह ले जा रही है, जहां एक समय आने पर हम चिंता के अंधकार में फंस जाते हैं और हमारा मन अशांत रहने लगता है। आजकल हमने देखा होगा कि कई लोग बहुत कम उम्र में ही या तो हृदय रोग या फिर किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो जाते हैं। ऐसा क्यों है, यह हमें पता है। गलत खानपान और रहन-सहन के अलावा दिन प्रति दिन लोगों की होड़ सबको चिंता में जकड़ देती है। इससे कम आयु में ही हृदयाघात और गंभीर बीमारी हमारा पीछा करने लगती है और हमें पता भी नहीं चलता कि हम कब इनकी गिरफ्त में आ गए।

आजकल सोशल मीडिया के रूप में एक और चलन हर तरफ पसरा हुआ दिखाई देता है। यों तो सोशल मीडिया पर सक्रिय तमाम लोग लीन दिखते हैं, लेकिन आखिर यह भी चिंता का कारण क्यों बन रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों पर सक्रिय रहने के चक्कर में लोग अपना ढेर सारा वक्त और कई बार गेम खेलते हुए बहुत सारे पैसे गंवा देते हैं। जिन्हें इसकी लत लग जाती है, उन्हें बहुत कुछ खो देने के बावजूद चैन नहीं पड़ता है। इसमें सक्रिय रहने के लिए यह चिंता खाए जाती है कि फलां के पास सब कुछ है, लेकिन मेरे पास कुछ नहींष्ठ उसकी किस्मत कितनी अच्छी है और मेरी फूटी किस्मत। नकारात्मकता दिलोदिमाग में इस कदर बैठ जाती है कि हम अपना जीवन सिर्फ सोशल मीडिया को ही समझने लगते हैं। जब अभिभावक ही इस बात को नहीं समझेंगे, तो बच्चे क्या समझेंगे।

बच्चे इसकी गिरफ्त में फंस चुके हैं। माता-पिता की इच्छा को ध्यान में रखते हुए उनके भीतर दूसरे से आगे बढ़ने की भूख है। स्कूली पढ़ाई में नंबर भी अच्छे लाने हैं, डाक्टर या इंजीनियर ही बनना है। यह सब तो उनके ऊपर बोझ है ही। साथ ही उन्हें सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहना है। यह बेहद चिंताजनक विषय है। बच्चे इसका और भी गलत इस्तेमाल करते हैं। आए दिन हम सुनते-पढ़ते हैं कि बच्चे गेम देख या खेल कर और आपत्तिजनक सामग्री देखकर किस तरह का बर्ताव करते हैं। पढ़ाई और गेम में जीतने की भावना उन्हें अंदर ही अंदर चिंताग्रस्त बनाए रखती है। उनका बचपन तो अब मानो खो ही गया है।

अगर जीवन को सही ढंग से जीना है और हम चाहते हैं कि हमारा परिवार खुशहाल जीवन व्यतीत करें, तो सबसे पहले लोगों की भेड़चाल में शामिल होने से बचना होगा। समझ लेना चाहिए कि चिंता एक चिता एक समान है और इससे जितना दूर रहा जाए, उतना ही अच्छा है। यह नहीं सोचने की जरूरत है कि कल क्या होगा। बल्कि आज को कैसे जिएं, इसके बारे में सोचना चाहिए। सबसे पहले सोचना छोड़ देना चाहिए कि कोई क्या कहेगा। मसलन, 'स्टेटस सिंबल' के सवाल को दिलोदिमाग से निकाल देने की जरूरत है, क्योंकि इसी के कारण हमारा अपने खर्चों पर कोई काबू नहीं है।

अपने बच्चों को एक महंगे स्कूल में पढ़ाना या फिर सोशल मीडिया पर बिल्कुल अद्यतन रहना ही सब कुछ नहीं होता है। जरूरी है कि चिंता किए बिना जीवन जीने की कला को सीखा जाए, जिससे हमारा मन भी प्रसन्न रहेगा और हमारा परिवार एक खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकेगा। हमने यह पंक्ति खूब पढ़ी होगी कि चिंता छोड़ो, सुख से जियो। इसका मूल उद्देश्य है कि जीवन को इस तरह चिंता में न डुबोकर रखा जाए कि अपना जीवन ही व्यर्थ चला जाए। वर्तमान में जीवन जीने की कला होनी चाहिए, कल किसने देखा है।

दरअसल, दिखावा इंसान को अंदर तक चिंता में डुबो देता है। एक साधारण खानपान, व्यायाम और परिवार के साथ हर दिन खुशी-खुशी बिताना हमें सभी चिंताओं से दूर रखता है। यहां एक बात को समझना होगा कि हम अपनी आधी चिंता का अंत तुरंत कर सकते हैं, बशर्ते कि हम एक तरह का निजी स्वर्णिम पैमाना विकसित कर लें कि हमारे जीवन के संदर्भ में चीजों का मूल्य क्या है।

चिंता हमें समाप्त कर दें, उससे पहले हम चिंता से खत्म होने से खुद को बचा लें। 'कितनी अजीब है जीवन की यात्रा' में स्टीफन लीकाक ने लिखा है कि बच्चा कहता है, मैं जब बड़ा हो जाऊंगाष्ठ बड़ा होने पर कहता है, जब मेरी शादी हो जाएगीष्ठ शादी हो जाती है, तो वह पीछे मुड़कर अपनी जीवन यात्रा को देखता है और उसे ठंडी हवा से सिहरन होती है। न जाने कैसे उसने सब गंवा दिया और जीवन पीछे छूट गया। बहुत देर बाद समझ आता है कि जिंदगी हर पल जीने के लिए होती है, इसलिए हमें चिंता छोड़कर हर पल को जीना होता है।

चीन की 'रेयर अर्थ मोनोपॉली' को उसके दोस्त पाक ने ही दी चुनौती, रंगीन बक्सा दिखाकर ट्रंप को खुश किया

पाकिस्तान की राजनीति में हाल के दिनों में एक दिलचस्प मोड़ आया है। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और आर्मी चीफ़ असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाक़ात के दौरान उनको एक बॉक्स में रंगीन खनिज पत्थर और अयस्क दिखाए। इनमें बास्टनज़ाइट और मोनाज़ाइट जैसे खनिज माने जा रहे हैं, जिनसे सेरीयम, लैंथेनम और नियोडिमियम जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स प्राप्त होते हैं। यही वह तत्व हैं जिन पर आज की दुनिया की हाई-टेक इंडस्ट्री यानि स्मार्टफोन, मिसाइल गाइडेंस सिस्टम और इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी आदि टिकी हुई हैं।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान लंबे समय से अपने 'अनछुए खनिज भंडार' की बात करता आया है, खा़सकर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा़ में। इन खनिजों का वास्तविक व्यावसायिक मूल्य या भंडार का आकार अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन हाल में पाकिस्तान की सैन्य-नागरिक सत्ता ने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (यूएसएसएम)के साथ करार कर अपनी मंशा जाहिर कर दी है। बताया जा रहा है कि पहले चरण (2025-26) में आसानी से उपलब्ध तांबे व अन्य खनिजों का अमेरिका को निर्यात होगा। दूसरे चरण (2026-28) में पाकिस्तान में प्रोसेसिंग प्लांट्स और रिफाइनरी बनाने सहित टेक्नोलॉजी ट्रांसफर होगी। तीसरे चरण (2028 के बाद) में बड़े पैमाने पर खनन, ड्रिलिंग और 5-10 नए प्रोजेक्ट्स की शुरुआत होगी। बताया जा रहा है कि इस सौदे के शुरुआती निवेश का मूल्य लगभग 500 मिलियन डॉलर है। देखा जाये तो दुनिया के रेयर अर्थ बाज़ार पर चीन का लगभग 60-65इ नियंत्रण है और अमेरिका अपनी ज़रूरत का बड़ा हिस्सा चीन से ही आयात करता है। लेकिन हाल में बीजिंग ने 'नियंत्रित निर्यात' नीति अपनाई है, जिससे अमेरिका को गंभीर रणनीतिक दबाव महसूस हो रहा है। ऐसे में वॉशिंगटन अब वैकल्पिक स्रोत खोजने पर मजबूर है। पाकिस्तान के खनिज, भले अभी साबित नहीं हुए हों, लेकिन यदि वे व्यावसायिक रूप से उपयोगी निकले तो अमेरिका के लिए यह 'गेम-चेंजर' हो सकता है।

यहाँ असली सवाल यही है कि पाकिस्तान के इस नए दांव का चीन के साथ उसके पुराने रिश्तों पर क्या असर होगा? हम आपको बता दें कि चीन ने पाकिस्तान में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यदि पाकिस्तान अमेरिकी कंपनी को रेयर अर्थ खनन का अधिकार देता है, तो यह चीन के लिए सीधे रणनीतिक झटका होगा। चीन हमेशा से पाकिस्तान का 'ऑल-वेदर फ्रेंड' कहलाता रहा है। यदि पाकिस्तान अमेरिकी खेमे की ओर झुकता है, तो बीजिंग इसे रणनीतिक अविश्वास की तरह देख सकता है। चीन ने अब तक पाकिस्तान के खनिज संसाधनों में सीधी दिलचस्पी नहीं दिखाई थी, लेकिन अब उसे डर होगा कि अमेरिका पाकिस्तान को 'रेयर अर्थ का विकल्प' बना सकता है।

हालाँकि पाकिस्तान की इस महत्वाकांक्षा के रास्ते में कई बाधाएँ भी हैं। जैसे बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा़, जहाँ अधिकांश खनिज भंडार बताए जाते हैं, वह इलाके लगातार उग्रवाद और आतंकवाद से ग्रस्त हैं। वहाँ विदेशी निवेश और खनन संचालन आसान नहीं होगा। इसके अलावा, पाकिस्तान की सत्ता ढांचा अभी भी 'हाइब्रिड' यानी सेना और सरकार की खींचतान में उलझा हुआ है। लंबे समय तक भरोसेमंद नीतियाँ लागू कर पाना कठिन होगा। साथ ही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। रेयर अर्थ की खोज और प्रसंस्करण के लिए भारी तकनीकी और पूंजी निवेश चाहिए, जिसे बिना अमेरिकी मदद के अंजाम तक ले जाना मुश्किल होगा।

फिर भी यदि अमेरिका पाकिस्तान के खनिजों पर भरोसा करता है, तो चीन का 'रेयर अर्थ दबाव' कमजोर होगा। भारत के लिए भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में नई गर्माहट आएगी, जो क्षेत्रीय सुरक्षा संतुलन को प्रभावित कर सकती है। देखा जाये तो पाकिस्तान इस सौदे से आर्थिक सहारा चाहता है, लेकिन इससे वह चीन और अमेरिका के बीच रणनीतिक रस्साकशी का मैदान भी बन सकता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि पाकिस्तान का 'रेयर अर्थ कार्ड' उसकी विदेश नीति में नया पन्ना खोल सकता है। अमेरिका के लिए यह एक संभावित अवसर है, लेकिन चीन के लिए यह खतरे की घंटी होगी। सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान अपने आंतरिक संकटों और सुरक्षा चुनौतियों से पार पाकर इस अवसर को वास्तविकता में बदल पाएगा?

फिलहाल इतना तय है कि इस छोटे से बॉक्स में दिखाए गए रंगीन पत्थरों ने वैश्विक राजनीति के मंच पर बड़ी हलचल पैदा कर दी है। यदि अमेरिका को पाकिस्तान से भरोसेमंद रेयर अर्थ सप्लाई मिल जाती है, तो सचमुच एशिया और विश्व की शक्ति संतुलन की तस्वीर बदल सकती है और चीन की 'रेयर अर्थ मोनोपॉली' को पहली गंभीर चुनौती मिल सकती है।

टैरिफ तलवार से अब सिनेमा पर वार, विदेशी फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ से बॉलीवुड होगा प्रभावित

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा फैसला लिया है जिसने भारत समेत पूरी दुनिया की फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। अपने पारंपरिक अंदाज़ में सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा है कि अब अमेरिका के बाहर बनी किसी भी फिल्म पर 100इ टैरिफ (कर) लगाया जाएगा। उनका तर्क है कि 'अमेरिकी फिल्म उद्योग को अन्य देशों ने चुरा लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से टॉफी छीन ली जाती है।'

देखा जाये तो यह फैसला केवल कूटनीतिक या वाणिज्यिक कदम नहीं है, बल्कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' सोच का नया नमूना है। किंतु सवाल यह है कि यह लगातार भारत जैसे देशों के हितों के विरुद्ध क्यों जाता है? और इससे भारत की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक धारा यानि बॉलीवुड पर क्या असर पड़ेगा?

हम आपको बता दें कि ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से वीएफएक्स और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं। यह भारत के लिए रोज़गार और तकनीकी विकास का बड़ा अवसर था। लेकिन ट्रंप इसे 'अमेरिका की कमजोरी' के रूप में देखते हैं।

देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाज़ार से कमाता है। हिंदी और तेलुगु की बड़ी फ़िल्में अकेले 10 मिलियन डॉलर तक की कमाई अमेरिका में करती हैं। यदि 100इ टैरिफ लागू होता है तो वहाँ टिकट की कीमत दोगुनी होकर 40 डॉलर तक पहुँच सकती है। इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे भारतीय प्रवासी दर्शक, जो अब तक भारतीय फिल्मों को बड़े पैमाने पर समर्थन देते आए हैं।

इसके अलावा, ओटीटी और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स जैसे- नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नीः हॉटस्टार के लिए भी यह झटका है। अगर भारतीय कंटेंट महँगा होगा, तो उसकी पहुँच कम होगी और प्रोड्यूसर्स को घाटा उठाना पड़ेगा। इससे भारतीय सिनेमा का वैश्विक प्रसार धीमा हो सकता है।

विडंबना यह है कि ट्रंप जिस हॉलीवुड की रक्षा करना चाहते हैं, उसी को उनके फैसले से सबसे बड़ा नुकसान होगा। हम आपको बता दें कि अमेरिकी फ़िल्म उद्योग की 70इ कमाई अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से होती है। यदि अन्य देश जवाबी टैरिफ लगाते हैं तो हॉलीवुड का कारोबार ध्वस्त हो सकता है। इसके अलावा, हॉलीवुड की तमाम बड़ी फ़िल्मों– अवेंजर्सः एंडगेम, ड्यून, जंगल बुक, इंटरस्टेलर का पोस्ट-प्रोडक्शन भारत जैसे देशों में हुआ है। अगर यह सहयोग बाधित होता है तो न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि रचनात्मक गुणवत्ता भी प्रभावित होगी।

माना जा रहा है कि भारतीय एनीमेशन और वीएफएक्स उद्योग 2026 तक 2.2 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। ट्रंप का यह फैसला इस ग्रोथ को रोक सकता है। लेकिन यह भारत के लिए एक अवसर भी है- नए बाजारों और साझेदारियों की तलाश का। यूरोप, एशिया और अफ्रीका में भारतीय कंटेंट के लिए संभावनाएँ हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यदि भारत अपनी फिल्मों और सेवाओं को अन्य बाज़ारों तक पहुँचाता है तो वह इस झटके को संतुलित कर सकता है।

देखा जाये तो ट्रंप का यह कदम एक बार फिर साबित करता है कि उनकी नीतियों का केंद्र केवल 'अमेरिका फर्स्ट' है, भले ही इससे उनके सहयोगी देशों को नुकसान क्यों न हो। भारत जैसे उभरते साझेदार, जिन्होंने दशकों से अमेरिकी तकनीक, मनोरंजन और व्यापार को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, इस फैसले से प्रत्यक्ष नुकसान उठाएँगे। बॉलीवुड, जो विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है, अमेरिकी बाज़ार में अपनी स्थिति खो सकता है। भारतीय दर्शकों के लिए टिकट और स्ट्रीमिंग की कीमतें बढ़ेंगी, और निर्माताओं को नए बाजार तलाशने होंगे। बहरहाल, ट्रंप के लिए यह राजनीतिक सफलता हो सकती है, किंतु वैश्विक सिनेमा के लिए यह कदम विनाशकारी सिद्ध होगा। सवाल यह है कि क्या दुनिया अमेरिकी राष्ट्रवाद के इस नए रूप के आगे झुक जाएगी, या फिर भारतीय सिनेमा समेत वैश्विक फिल्म उद्योग एकजुट होकर इसका जवाब देगा?

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 05 से 31 अक्टूबर व दस्तक अभियान 11 से 31अक्टूबर 2025 के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी ने की बैठक

संचारी व दस्तक अभियान में क्वॉलिटी व विजिट आयामों में आगनबाड़ी व आशा करें जिम्मेदारी से निर्वहन-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में 05 से 31 अक्तूबर 2025 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 से 31 अक्तूबर 2025 के मध्य दस्तक अभियान को लेकर अंतर्विभागीय समन्वय की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, डायरिया आदि संचारी रोगों से जुडे.मामलों की आशंका को देखते हुए जनपद में अन्तर्विभागीय समन्वय से युद्धस्तर पर अभियान को आगे बढ़ाया जाए। जिलाधिकारी ने दस्तक अभियान के क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारी की तैनाती कराने के लिए सम्बन्धित अधिकारी को निर्देश दिया। साथ ही प्रशिक्षण से छूटे हुए कर्मचारियों को मापप राउन्ड में शत्-प्रतिशत प्रशिक्षित कराया जाये। इसमें लापरवाही कत्तई बर्दाश्त नही की जायेगी। माईक्रोप्लान के अनुसार ही अधिकारी शत्-प्रतिशत कार्य समय से करायेंगे। उन्होंने बताया कि 05 अक्टूबर को स्कूल बन्द होने के कारण 06 अक्टूबर को बीआरसी ज्ञानपुर से संचारी रोग नियंत्रण अभियान का उद्घाटन किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जनपद में 05 से 31 अक्तूबर 2025 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 05 अक्टूबर से पहले संचारी रोग नियंत्रण के सम्बन्ध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। साप्ताहिक कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता, सैनिटाइजेशन तथा फॉगिंग का विशेष कार्यक्रम संचालित किया जाए। तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव तथा कूड़े का निस्तारण ठीक ढंग से किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि निगरानी समितियां डोर-टू-डोर सर्वे करें और यदि कोई बच्चा बुखार आदि से ग्रसित है, तो उसे मेडिसिन किट उपलब्ध कराएं। साथ ही, महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण स्तर पर संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु तालाबों/नालों व नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों से संचारी रोगों के नियंत्रण व रोकथाम के सम्बन्ध में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नगर विकास, पंचायतीराज, आई0सी0डी0एस0, ग्राम्य विकास, चिकित्सा शिक्षा, शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, कृषि, पशुपालन, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, सूचना विभाग तथा अन्य सभी सबंधित विभाग को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर संचारी रोगों की रोकथाम व नियंत्रण की के संबंध में कार्यवाही करें।

जिलाधिकारी ने उप पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि सुकर पालकों द्वारा मानव बस्तियों से दूर सुकर को पाला जाय। सुकर पालकों को अन्य रोजगार मुहैया उपलब्ध कराया जाय। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पिछली कार्ययोजना से अक्टूबर माह की कार्ययोजना में क्या परिवर्तन/भिन्नता है उसकों स्पष्ट उल्लेख करें। साथ ही कार्य में नवाचार का प्रयोग करते हुए व्यापक स्तर पर संवेदीकरण के कवरेज को बढ़ाया जाय। उन्होंने डब्ल्यू एच ओ, यूनिसेफ व पार्थ संगठन के डाटा व ब्लाक स्तरीय डाटा में मिसमैच होने पर उसको सही कराते हुए सभी टीमें को कोआर्डिनेशन के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। इस अभियान के अन्तर्गत स्वच्छ भारत मिशन के बैनर तले पूरे जनपद में शत-प्रतिशत शौचालय/इज्जत घर सुनिश्चित करने का डीपीआरओ व समस्त बीडीओ को निर्देशित किया कि जिनके घरों में अभी तक शौचालय नही बना है, उनका ऑनलाईन फार्म भरवाते हुए उनको भी शौचालय लाभ से सुनिश्चित किया जाय। स्वच्छता व शौचालय का प्रयोग सभी के लिए अनिवार्य है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक ने द्वारा बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य व चिकित्सा विभाग को सौपें गये सभी कार्यो व दायित्वों का निर्वहन सभी डॉक्टर, चिकित्सा कर्मी, आशा, एएनएम, शत-प्रतिशत सुनिश्चित करेंगे शिथिलता व लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। संचारी रोग नियंत्रण प्रभारी अधिकारी/जिला मलेरिया अधिकारी डॉ0 रामआसरे द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा निर्धारित गाईडलाइन का सभी विभागों/अधिकारियों द्वारा कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन किया जायेगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि छात्र/छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकालकर, शिक्षकों द्वारा प्रार्थना सभा में बच्चों को संचारी रोग के प्रति जागरूक करेंगे। जिससे वे अपने माता पिता व परिजनों को जागरूक करेंगे।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, सीएमएस, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ओ पी शुक्ला, डीपीआरओ संजय मिश्रा, समस्त खण्ड विकास अधिकारी/अधिशासी अधिकारी संबंधित चिकित्साधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा एमओआईसी मौजूद रहे।

बीवीइंडिया ने 300 करोड़ रुपये के नए इश्यू और 2.85 करोड़ शेयरों के ओएफएस के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। देश की सबसे बड़ी एकीकृत सुविधा प्रबंधन (आईएफएम) सेवा प्रदाता पुणे स्थित बीवीइंडिया लिमिटेड ने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुरू करने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। इस निर्गम में 300 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 2.85 करोड़ इक्विटी शेयरों का बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। नए निर्गम से प्राप्त राशि में से 250 करोड़ रुपये उधारों के पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के लिए निर्धारित किए गए हैं, जबकि शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी।

कंपनी तीन व्यावसायिक क्षेत्रों– एकीकृत सुविधा प्रबंधन (आईएफएम), आपातकालीनम् प्रतिक्रिया सेवाएँ (ईआरएस), और पर्यावरण एवं स्थायित्व सेवाएँ (ईएसएस)–के माध्यम से परिचालन करती है और औद्योगिक, वाणिज्यिक, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सरकारी और परिवहन अवसंरचना क्षेत्रों के ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करती है। आईएफएम के अंतर्गत, बीवीइंडिया मशीनीकृत हाउसकीपिंग, चौकीदारी सेवाएँ, औद्योगिक हाउसकीपिंग, जनशक्ति आपूर्ति, सुरक्षा, कार्यालय सहायता और खुदरा ईंधन आउटलेट रखरखाव जैसी सॉफ्ट सेवाएँ; इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कार्य, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग (एमईपी) सेवाएँ, मरम्मत और रखरखाव, सड़क प्रबंधन, शहर की सफाई और अवसंरचना रखरखाव जैसी हार्ड सेवाएँ; और खानपान, पेंट-शॉप की सफाई, बैक-ऑफिस सहायता, लॉजिस्टिक्स प्रबंधन और ईवी बस प्रबंधन सहित बेड़े संचालन जैसी विशेष सेवाएँ प्रदान करती है। कंपनी भारतीय रेलवे की एक विश्वसनीय भागीदार भी है, जो स्टेशन सुविधा संचालन, रोलिंग स्टॉक और ट्रैक रखरखाव, और ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग का प्रबंधन करती है।

नम आंखों के साथ मैया रानी की प्रतिमा का हुआ विसर्जन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शारदीय नवरात्र के समाप्ति पर क्षेत्र के तमाम गावों में आयोजित दुर्गा पूजन के बाद मूर्ति का विसर्जन बड़े ही भक्ति भाव से किया गया। क्षेत्र के बेरासपुर में स्थित बाबा बेरासनाथ धाम में आयोजित दुर्गा पूजन गुरुवार को मां दुर्गा के प्रतिमा के विसर्जन बड़े ही धूमशाम और हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ, जुलूस के दौरान लोग डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर नाचते झूमते नज़र आये। गुरुवार को बाबा बेरासनाथ मंदिर से मैया रानी का भव्य जुलूस केदारपुर होते हुए बेरासपुर के सभी बस्तियों में भ्रमण करते हुए बिहरोजपुर, सुजातपुर, कौलापुर, गेराई, कठौता, चहरपुर होते हुए हरदेवपुर नहर पर विसर्जन किया गया। जहां लोगों ने बड़े ही नम आंखो से मैया रानी का विसर्जन किया। बेरासपुर से लेकर विसर्जन तक गोपीगंज थाना की पुलिस मुस्तैद रही। इस मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल 'बालकृष्ण त्रिपाठी' एवं पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मीरजापुर 'आर.पी. सिंह' द्वारा शारदीय नवरात्र पर्व, दशहरा एवं दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत जनपद भदोही के थाना औराई क्षेत्रान्तर्गत दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल उगापुर नहर पुलिया व थाना ज्ञानपुर क्षेत्रान्तर्गत सिंहपुर नहर पुलिया का भ्रमण/निरीक्षण किया गया एवं यातायात रुट व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। दशहरा मेला/मूर्ति विसर्जन/जुलूस ड्यूटी में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

शुक्रवार जुम्मे की नमाज के दृष्टिगत जनपद में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था किया गया चुस्त-दुरुस्त

मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, चौराहों, व बाजारों आदि में भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की, की जा रही सघन चेकिंग

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। -जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने माधोसिंह, मोहल्ला, बाजार का औचक निरीक्षण भारी पुलिस बल के साथ रूट मार्च किया। जिसमें जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद भदोही के अनेक जगहों पर जुम्मे की नमाज अदा की गई। नमाज शांतिपूर्ण सकुशल संपन्न हुई। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि भदोही में जुम्मे की नमाज सकुशल संपन्न हुईं। तथा पुलिस प्रशासन द्वारा नगर में लगातार निगरानी बनाई जा रही है और भारी पुलिस बल अगले 3 दिन तक हाई अलर्ट पर रहेगा। अगर जनपद में किसी भी व्यक्ति द्वारा माहौल खराब करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनपद में निगरानी बनाए हुए हैं। पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस फोर्स को यह निर्देश दिए हैं की नगर पालिका/नगर पंचायत में अलर्ट रहें एवं माहौल खराब करने वाले व्यक्तियों पर पुलिस प्रशासन पैनी नजर बनाए रखें।

सभी मस्जिदों पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। चुस्त-दुरुस्त कानून एवं शांति व्यवस्था हेतु पुलिस उच्चाधिकारीगण सहित समस्त थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा पुलिस बल के साथ रुटमार्च/पैदल गश्त किया जा रहा है। पैदल गश्त के दौरान मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, चौराहों, व बाजारों आदि में भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की गहनता से चेकिंग की गई। सीसीटीवी, वीडियो रिकॉर्डिंग व ड्रोन कैमरों के मदद से संवेदनशील/मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों की सतत् निगरानी की जा रही है। पैदल गश्त के दौरान आमजन व धर्मगुरुओं से संवाद कर शांति व सद्भाव बनाए रखने हेतु अपील की जा रही है। साथ ही पर्वों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था में खलल डालने वाले शरारती तत्वों को सख्त चेतावनी जारी की गई। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों व मस्जिद के आसपास के क्षेत्रों में पैदल गस्त/भ्रमण कर धर्मगुरुओं व आमजन से संवाद कर उन्हें सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त कराते हुए जुम्मे की नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल, उप जिला अधिकारी औराई बरखा सिंह, क्षेत्राधिकारी औराई संबंधित थानाध्यक्ष सहित भारी पुलिस बल के साथ संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राजमणि पाण्डेय बने भदोही जिलाध्यक्ष व प्रदेश मीडिया प्रभारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन उत्तर प्रदेश ने भदोही जनपद के महजूदा गाँव के ग्राम प्रधान राजमणि पाण्डेय को संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी ने उन्हें 'जिलाध्यक्ष भदोही' तथा 'प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोनीत किया है।

इस संबंध में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी ने आदेश जारी करते हुए कहा कि श्री पाण्डेय ने पंचायत प्रतिनिधियों की समस्याओं को उठाने, ग्रामीण समाज की बेहतरी के लिए कार्य करने तथा संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से हमेशा उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी प्रदान की गई है।

श्री पाण्डेय से अपेक्षा की जाती है कि वे पंचायत प्रतिनिधियों की आवाज को बुलंद करेंगे तथा पंचायत राज, ग्रामीण विकास और सामाजिक न्याय के लिए संघर्षरत रहेंगे। साथ ही प्रदेश मीडिया प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार मिलने से संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुँचाने में वे प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

नव मनोनीत जिलाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी राजमणि पाण्डेय ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीण जनता की समस्याओं के समाधान हेतु वे सदैव संघर्षरत रहेंगे।

राजमणि पांडेय के मनोनयन पर संगठन के संरक्षक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश चंद्रभूषण पांडेय, वरिष्ठ ग्राम प्रधान संरक्षक रवि शंकर अग्निहोत्री , प्रदेश उपाध्यक्ष इकबाल, विद्यासागर यादव, प्रदेश प्रवक्ता ज्योती यादव, तथा बुंदेलखंड प्रभारी दिनकर तिवारी, मंडल प्रभारी रवि शर्मा गजेंद्र सिंह उमापति तिवारी अरविन्द राजभर, गम्भीर सिंह राणा, रणजीत चौधरी, महिपाल सिंह राजपूत, शिवेंद्र प्रताप सिंह, दिनेश पांडेय, अनुज द्विवेदी, सपना चतुर्वेदी, आनन्द यादव, प्रीती देवी फहीम अहमद, दीप नारायण त्रिपाठी, सम्राट चौधरी, अमित सिंह पटेल, राम सुंदर पटेल आदि ने हर्ष व्यक्त किया हैं।

मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन एवं दशहरा पर्व के दृष्टिगत श्री शैलेष कुमार, जिलाधिकारी भदोही एवं श्री अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा लगातार भ्रमणशील रहकर जनपद में आयोजित दशहरा मेला/मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की मॉनीटरिंग की जा रही है। जनपद भ्रमण के क्रम में थाना औराई क्षेत्र अन्तर्गत दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल उगापुर/जद्दूपुर नहर पुलिया पर विसर्जन कार्यक्रम का किया निरीक्षण। ड्यूटीरत अधिकारियों/पुलिस बल को दिये गए आवश्यक दिशा निर्देश।

मिशन शक्ति अभियान के तहत् ड्राइविंग माई ड्रीम मेगा इवेन्ट का किया गया आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में महिला कल्याण विभाग द्वारा ड्राइविंग माई ड्रीम मेगा इवेन्ट का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम में यात्री मालकर अधिकारी डा. संतोष तिवारी ने वयस्क महिलाओं और बालिकाओं के लिए निःशुल्क ड्राइविंग कोर्स, ड्राइविंग लाइसेन्स की सुविधा, दूरस्थ क्षेत्रों की बालिकाओं और महिलाओं को प्राथमिकता के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए यातायात नियमों का अनुपालन करने की भी अपील की। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये शासन द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति अथवा समस्या आने पर महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 एवं एम्बुलेन्स सेवा 108 का उपयोग कर तुरंत सहायता प्राप्त कर सकती है।

कार्यक्रम में मो0 रेहान सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, बेबी नाज सदस्य बाल कल्याण समिति, संरक्षण अधिकारी एवं महिला कल्याण विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुरियावां मनापुर टैलेंट कोचिंग क्लासेज की तरफ से महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री के जयंती पर निकाली रैली नगर पंचायत अध्यक्ष विनय चौरसिया व थानाध्यक्ष अजीत कुमार श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना रैली अंबेडकर नगर, चौक बाज़ार, नयागंज, नेतानगर, रामबाग होते हुए संस्थान पर पहुंचकर समाप्त हीर। इस दौरान प्रबंधक राजकुमार सरोज, ग्राम प्रधान चंद्रेश यादव आशीष सरोज, गोपाल जयसवाल, अरुण मिश्री, बनारसी दास परमेंद्र सरोज आदि लोग उपस्थित रहे।

दुर्गा विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा अयोध्या में किशोर की डूबने से मौत, पांच घंटे बाद शव बरामद

अयोध्या **(एजेंसी)**। जिले में दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान एक किशोर की डूबने से मौत हो गई जिसका पांच घंटे बाद शव बरामद किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान बीकापुर तहसील क्षेत्र के साल्हीपुर परसीपुर गांव निवासी संदीप (16) के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, संदीप अपने परिजनों और ग्रामीणों के साथ दुर्गा देवी की प्रतिमा के विसर्जन के लिए गया था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और गोताखोरों की एक टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने लगभग चार घंटे तक तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। लगभग पांच घंटे बाद, ग्रामीणों ने जाल की मदद से संदीप को पानी से बाहर निकाला। अपर जिलाधिकारी (एडीएम) अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि उसे तुरंत एम्बुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एडीएम ने बताया कि मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पक्षपात के चश्मे से नहीं 'पीड़ा भरी आँख' से भी देखा जाना चाहिए : अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के स्थिति की तारीफ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में यूपी में सांप्रदायिक और धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में दलित उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि भाजपा सरकार के कामकाज को सिर्फ पक्षपात के चश्मे से नहीं, बल्कि 'पीड़ा भरी आँख' से भी देखा जाना चाहिए।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि एक आँकड़ा ये भी है। भाजपा सरकार के काम को सिर्फ पक्षपात के चश्मे से नहीं, पीड़ा भरी आँख से भी देखा जाए। उप्र में दलित दमन चरम पर है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि एक टीवी शो इस आँकड़े पर भी होना चाहिए। एक होर्डिंग इस सच का भी लगना चाहिए। एक विस्तृत रिपोर्ट इस पर भी समाचार के रूप में प्रसारित-प्रकाशित होनी चाहिए। एक एसआईटी इसकी विवेचना के लिए भी बननी चाहिए।

एक अध्याय इसके लिए भी, पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए।

अखिलेश यादव ने ये भी कहा, एक जाँच आयोग इसके लिए भी बैठाया जाए। एक विशेष वाहिनी, दलित-दमन के उन्मूलन के लिए भी बनाई जाए। एक श्वेतपत्र इस काले अपराध पर भी आना चाहिए। एक रोड शो इस समस्या के बारे में भी जागरूकता फैलाने के लिए निकाला जाए। एक 'पाँच हज़ार वर्षीय' आयोजन, इस ऐतिहासिक उत्पीड़न की 'पंच सहस्राब्दी' के रूप में, चेतना जगाने के लिए भी आयोजित किया जाए।

गौरतलब है कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, यूपी में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 प्रतिशत कम रही। देश में कुल अपराध दर 448.3 थी, जबकि यूपी में यह केवल 335.3 दर्ज की गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2012-2017 के बीच यूपी में 815 दंगे हुए थे, जिनमें 192 लोग मारे गए। वहीं 2007-2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2017 के बाद कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में हुई दो हिंसक घटनाओं को भी सरकार ने 24 घंटे के भीतर नियंत्रित कर शांति बहाल कर दी।

राजेसुल्तानपुर में सियासी घमासान समर्थकों संग नगर पंचायत अध्यक्ष धरने पर बैठे, बोले- जिलाध्यक्ष मांगे माफी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अम्बेडकर जिले में भाजपा जिलाध्यक्ष और नगर पंचायत अध्यक्ष राजेसुल्तानपुर के बीच विवाद अब तूल पकड़ लिया है। नगर पंचायत अध्यक्ष राजेसुल्तानपुर अपने समर्थकों के साथ बुधवार को धरने पर बैठ गए। उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयम्बक तिवारी पर अपमानित और प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है।

नगर पंचायत अध्यक्ष राजेसुल्तानपुर विनोद प्रजापति ने और उनके समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी की और मांग की कि भाजपा जिलाध्यक्ष आकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक माफी नहीं मिलेगी, तब तक धरना जारी रहेगा।

गौरतलब है कि मामले की पृष्ठभूमि तीन दिन पहले की है, जब भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयम्बक तिवारी एसडीएम के साथ नगर पंचायत राजेसुल्तानपुर पहुंचे थे। नगर पंचायत अध्यक्ष का आरोप है कि जिलाध्यक्ष ने बिना किसी प्रोटोकॉल के कर्मचारियों की हाजिरी ली और उन्हें सदन से अपमानित कर बाहर निकलवा दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष ने इसे अपने पद और संस्था का अपमान बताते हुए विरोध दर्ज कराया है।

'ये मुसलमान है, मैं इसे नहीं देखूंगी, डॉक्टर ने धर्म का हवाला देकर इलाज करने से किया इंकार

'शमा परवीन' की कहानी कर देगी हैरान

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के जौनपुर जिला महिला अस्पताल में धर्म के आधार पर इलाज से इनकार करने का मामला प्रकाश में आया है। अस्पताल में भर्ती महिला शमा परवीन उम्र 27 साल ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने उन्हें और एक अन्य मुस्लिम महिला को देखने से ये कहकर मना कर दिया कि वो मुस्लिम हैं। शमा के अनुसार डॉक्टर ने कहा कि इसको मैं नहीं देखूंगी। इसे ऑपरेशन थिएटर में मत ले जाना।

चंदवक निवासी शमा परवीन की शादी मोहम्मद नवाज से हुई है। प्रसव पीड़ा के दौरान उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शमा के अनुसार, घटना 30 सितंबर की रात लगभग 9:30 बजे की है। डॉक्टर ने धर्म के आधार पर उनका और एक अन्य मुस्लिम महिला का इलाज करने से इनकार कर दिया। वहीं अन्य मरीजों को देखा गया। शमा के पति मोहम्मद नवाज ने भी दावा किया कि डॉक्टर ने कहा कि महिला मुसलमान है, इसे कहीं और लेकर जाओ, हम नहीं देखेंगे। उनका कहना है कि यह व्यवहार पूरी तरह अनुचित और गैरकानूनी है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला महिला अस्पताल के सीएमएस महेंद्र गुप्ता ने कहा कि अस्पताल प्रशासन ने इस घटना का संज्ञान लिया है। साथ ही संबंधित डॉक्टर और स्टाफ से स्पष्टीकरण मांगा गया है। हालांकि महेंद्र गुप्ता ने कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से मना किया है।

अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। स्पष्ट किया गया कि किसी भी मरीज के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं सीएमएस ने यह भी कहा कि मीडिया के लोग जबरदस्ती लेबर रूम में घुस गए। जिससे मरीजों की निजता प्रभावित हुई है।

दिवाली पर प्रदेश सरकार का मुफ्त एलपीजी सिलेंडर का तोहफा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश सरकार दिवाली को मौके पर महिलाओं को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दे रही है। यह सुविधा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में इस योजना से 1.75 करोड़ से अधिक महिलाएं लाभान्वित होंगी। योगी आदित्यनाथ सरकार साल में दो बार फ्री सिलेंडर देती है एक होली और दूसरा दिवाली के मौके पर। योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पाने के लिए अलग आवेदन की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इसका उद्देश्य गरीब और ग्रामीण परिवारों, खासकर महिलाओं, को साफ ईंधन (एलपीजी) उपलब्ध कराना है। अब तक 10 करोड़ से अधिक महिलाएं इस योजना से जुड़ चुकी हैं। योजना में सरकार सिलेंडर पर 300 रुपए की सब्सिडी देती है, जिससे लाभार्थियों को गैस सामान्य कीमत से सस्ती मिलती है।

हाल ही में पेट्रोलियम मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में गरीब महिलाओं को 25 लाख अतिरिक्त मुफ्त एलपीजी कनेक्शन देने की मंजूरी दी है। इस विस्तार के साथ योजना के तहत कुल कनेक्शन 10.58 करोड़ हो जाएंगे। सरकार ने इसके लिए 676 करोड़ रुपए के व्यय को मंजूरी दी है। लाभार्थियों को सिलेंडर, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा नली, डीजीसीसी पुस्तिका और पहली बार सिलेंडर भरने के साथ चूल्हा भी मुफ्त मिलेगा। एलपीजी कनेक्शन और संबंधित सुविधाओं की पूरी लागत केंद्र सरकार और पेट्रोलियम विपणन कंपनियां वहन करती हैं।

लाभार्थियों के पास 14.2 किलोग्राम, 5 किलोग्राम या दो 5 किलोग्राम के सिलेंडर के विकल्प मौजूद हैं, ताकि वे अपनी जरूरत के अनुसार सिलेंडर चुन सकें।

मैं साधारण विधायक नहीं हूं तुम जहां भी रहोगे वहां निपटा देंगे

बीजेपी विधायक ने दरोगा को दी धमकी, वीडियो वायरल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कुशीनगर से एक बीजेपी विधायक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में विधायक यूपी पुलिस के एक दरोगा को धमकी दे रहा है। विधायक ने कहा कि वह कोई आम विधायक नहीं हैं। तुम जहां भी रहोगे वहां निपटा देंगे। ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

वायरल हुआ ये वीडियो बीजेपी विधायक पीएन पाठक का है। दरअसल, सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मृत्यु के बाद पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे विधायक से गांव और परिजनों ने शिकायत किया था कि हादसे में मौत नहीं हुई है, बल्कि हत्या करके उसे हादसे का रूप दिया गया है। परिजनों को आरोप है कि ये सारी बातें पुलिस को पता होने के बाद भी मामला दर्ज नहीं किया गया। परिवार वालों का आरोप है कि पुलिस गुमराह कर रही है।

मृतक के परिजनों के पुलिस पर लगाए गए आरोपों को सुनकर विधायक काफी गुस्से में आ गए। इसके बाद उन्होंने तुरंत क्षेत्रीय दारोगा को बुलाया और अपनी भाषा में समझाया। विधायक ने नसीहत देते हुए कहा कि यह आप ही निर्णय करेंगे तो कर लीजिए। परिजन कह रहे हैं तो मुकदमा लिख लो और जो सही हो वह करो, नहीं तो बख्शुंगा नहीं तुम्हें। नई नौकरी है तुम्हारी... इस बात को समझ लो...मैं साधारण विधायक नहीं हूं। यहीं नहीं कहीं भी पोस्टिंग करा कर निपटवा दूंगा तुम्हे...। बीजेपी विधायक का दारोगा को धमकाने का ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

करूर भगदड़की नहीं होगी सीबीआई जांच मद्रास हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

चेन्नई **(एजेंसी)**। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने शुक्रवार को करूर भगदड़ मामले की सीबीआई जाँच का आदेश देने से इनकार कर दिया और कहा कि करूर पुलिस की जाँच अभी शुरुआती चरण में है। अदालत देसिया मक्कल शक्ति काची द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी और एक पीड़ित द्वारा दायर याचिका पर भी विचार कर रही थी। पीठ ने कहा कि राजनीतिक दल की जनहित याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता क्योंकि वह पीड़ित पक्ष नहीं है। पीड़ित की याचिका के मामले में, पीठ ने उसे चेन्नई स्थित मुख्य पीठ के पास जाने का निर्देश दिया, जो पहले से ही राजनीतिक रैलियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने से संबंधित मामलों को देख रही है।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने राजनीतिक दलों को निर्देश जारी करते हुए भविष्य की रैलियों में उचित पेयजल, स्वच्छता सुविधाएँ और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध कराने को कहा। पीठ ने कहा उन लोगों के बारे में सोचिए जिन्होंने अपनी जान गंवाई। राज्य ने अदालत को बताया कि जब तक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता, तब तक बड़े पैमाने पर रैलियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। 27 सितंबर को करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय की एक जनसभा के दौरान हुई भगदड़ में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज़्यादा घायल हो गए। भीड़भाड़ वाले कार्यक्रम स्थल पर दहशत फैल जाने से कई लोग बेहोश हो गए।

इस त्रासदी के बाद, विजय ने दो हफ़्ते के लिए सभी राजनीतिक रैलियाँ स्थगित कर दीं और उनकी पार्टी ने मृतकों के परिवारों के लिए 20 लाख रुपये की राहत राशि की घोषणा की। कांग्रेस ने कहा कि उसने प्रभावित परिवारों को कुल 1.25 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीड़ितों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50, 000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। इसके अलावा, पीठ ने टीवीके नमक्कल जिला सचिव सतीश कुमार की अग्रिम ज़मानत याचिका भी खारिज कर दी। न्यायाधीश ने सवाल किया कि रैली के दौरान पार्टी भीड़ को नियंत्रित करने में क्यों विफल रही और कार्यकर्ताओं के व्यवहार पर चिंता जताई, जिसमें सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की खबरें भी शामिल थीं।

भूगोल से मिटा देंगे, अब संयम नहीं होगा पाकिस्तान को सेना प्रमुख की सीधी धमकी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसे वैश्विक मानचित्र पर बने रहना है, तो उसे भारत में आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद करना होगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भारतीय सशस्त्र बल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाए गए संयम को अब और नहीं दिखाएंगे, जिससे इस बार ज़्यादा निर्णायक और सशक्त प्रतिक्रिया का संकेत मिलता है। इस बार हम ऑपरेशन सिंदूर 1.0 जैसा संयम नहीं रखेंगे। इस बार हम कुछ ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि वो भूगोल में रहना चाहता है या नहीं। अगर पाकिस्तान भूगोल में रहना चाहता है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद रोकना होगा।

जनरल द्विवेदी ने सैनिकों की सैन्य तैयारियों का आकलन करने के लिए बीकानेर सैन्य स्टेशन सहित अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया।

अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, गणमान्य नागरिकों और सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने सेना के आधुनिकीकरण, युद्ध तैयारियों में सुधार, तकनीकी क्षमताओं को उन्नत करने और सैन्य उत्कृष्टता बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। सेना प्रमुख ने राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए पूर्व सैनिकों लेफ्टिनेंट कर्नल हेम सिंह शेखावत (सेवानिवृत्त), लेफ्टिनेंट कर्नल बीरबल बिश्नोई (सेवानिवृत्त), रिसालदार भंवर सिंह (सेवानिवृत्त) और हवलदार नखत सिंह (सेवानिवृत्त) को भी सम्मानित किया। वायुसेना दिवस से पहले, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए इसे दुनिया के लिए एक मिसाल बताया। प्रेस वार्ता के दौरान, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय वायुसेना ने अपनी लड़ाकू क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के उद्देश्य से 2047 का रोडमैप तैयार किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बोलते हुए, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह तीनों सशस्त्र सेनाओं के बीच प्रभावी समन्वय का प्रदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने इतिहास रच दिया है क्योंकि भारतीय सेना ने लगभग 300 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक प्रहार किया। उन्नत 'सुदर्शन चक्र' प्रणाली पर भी काम चल रहा है।

लक्ष्मण जिस तरह राम का सम्मान करते थे, वैसे ही तेजस्वी करें : तेज प्रताप

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटेतेज प्रताप यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव को उनके प्रति वही सम्मान दिखाना चाहिए, जैसा भगवान राम को लक्ष्मण से मिला था। राजद से निष्कासित हसनपुर के विधायक तेज प्रताप से जब उस आरोप पर सवाल पूछा गया कि राजद में रहते हुए वे अपने करीबी समर्थकों को बागी उम्मीदवार के रूप में खड़ा कराते थे। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए तेजप्रताप ने कहा, "छोटे भाई होने के नाते उन्हें मर्यादा का पालन करना चाहिए, जैसे लक्ष्मण ने राम के मामले में किया था। वह ऐसे लोगों के बहकावे में आ रहे हैं, जो जयचंद जैसे हैं।"

राजद में रहते हुए तेज प्रताप का टकराव तेजस्वी के करीबी सहयोगियों से अक्सर होता रहा है, जिनमें राज्यसभा सदस्य संजय यादव भी शामिल हैं। तेज प्रताप अक्सर उनकीजयचंद से तुलना करते रहे हैं–वही मध्यकालीन हिंदू शासक, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने प्रतिद्वंद्वी पृथ्वीराज चौहान से बदला लेने के लिए अफगान आक्रमणकारी मोहम्मद गौरी की मदद की थी।

तेज प्रताप ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह वही सीट है, जो तेजस्वी यादव के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से सटी हुई है और जहां से उन्होंने वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में पदार्पण किया था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, "आरएसएस की स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका नहीं थी। हम महात्मा गांधी के अनुयायी हैं।" वहीं "आई लव मोहम्मद" विवाद पर तेज प्रताप नेकहा, "मेरे पास कुरान शरीफ की प्रति है। मैं पैगंबर का बहुत सम्मान करता हूं। जो लोग विवाद खड़ा कर रहे हैं, वे केवल माहौल खराब कर रहे हैं।

विधायक टी राजा का विवादित बयान

बोले- लव जिहादी को ठोकने का नशा करो इसमें बहुत मजा है, लोगों को दिलाई शपथ

इंदौर **(एजेंसी)**। तेलंगाना के गोशामहल से बीजेपी विधायक टी. राजा सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर इंदौर के छावनी स्थित रावण दहन कार्यक्रम में हिस्सा लिया और मंच से विवादित बयान देकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस छेड़ दी। दर्शन व कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात में राजा सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया कि पूरे प्रदेश के बाजारों में बैनर लगाकर मध्यप्रदेश को जिहादी मुक्त घोषित करने का संदेश दिया जाए।

उन्होंने वहां मौजूद लोगों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सोशल मीडिया पर निवेदन कर कानून बनवाने की मांग रखें खासकर वह कानून जिसे वे हम दो हमारे दो जैसा कानून मानते हैं। राजा सिंह ने मंच पर कहा कि आज का असली रावण लव जिहादी है। वह जो धर्मांतरण कराता है या युवाओं को प्रभावित कर रहा है। उनका तर्क था कि कुछ लोग युवाओं को नशे और सोशल मीडिया के जरिये लक्ष्य बनाकर हिंदू समाज को कमजोर करने की साज़िश रच रहे हैं। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि अगर किसी तरह का नशा लेना है तो देश और धर्म के नशे का असर लें, लव जिहादी को ठोकने का नशा की बात कही।

टी. राजा सिंह ने आरएसएस की सार्वजनिक तारीफ भी की और कहा कि संघ ने देश के संकट के समय हमेशा आगे आकर मानवता की सेवा की है। उन्होंने आरएसएस को ऐसे संगठन के रूप में पेश करते हुए कहा कि वह लोगों को जीवन और मृत्यु की शिक्षा देता है और देश के लिये समर्पित लड़ाके तैयार करता है। राजा सिंह ने इंदौर शहर पर भी नाराज़गी जताई और दावा किया कि कुछ जगहों को लव जिहाद का अड्डा बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नौजवानों को निशाना बनाया जा रहा है और कुछ लोग परिवारों को आर्थिक व राजनैतिक समर्थन देकर धर्मांतरण जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं।

दिल्ली की अदालत ने चैतन्यानंद सरस्वती को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की एक अदालत ने स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत अवधि पूरी होने के बाद पटियाला हाउस अदालत में न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिमेष कुमार के समक्ष पेश किया।

यहां एक निजी प्रबंधन संस्थान में 17 छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी चैतन्यानंद के लिए पुलिस ने न्यायिक हिरासत की मांग की थी। उनके वकील ने जब्ती मेमो और केस डायरी दिये जाने की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

अदालत ने पुलिस से अन्य आवेदनों पर जवाब मांगा, जिनमें भिक्षुओं के वस्त्र पहनने, दवाइयां और 'संन्यासी' भोजन उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। चैतन्यानंद (62) को 28 सितंबर को आगरा से गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले, पुलिस ने सरस्वती से जुड़े कई बैंक खातों और सावधि जमाओं में जमा आठ करोड़ रुपये जब्त कर लिए थे।

प्राथमिकी के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली स्थित प्रबंधन संस्थान का पूर्व अध्यक्ष सरस्वती कथित तौर पर छात्राओं को देर रात अपने क्वार्टर में आने के लिए मजबूर करता था और उन्हें अनुचित समय पर अनुचित संदेश भेजता था।

वह कथित तौर पर अपने फोन में लगे सीसीटीवी मॉनिटरिंग ऐप के जरिए छात्राओं की गतिविधियों पर नजर रखता था। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने कथित तौर पर विभिन्न नामों और विवरणों का इस्तेमाल कर कई बैंक खाते संचालित किए और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद 50 लाख रुपये से अधिक की राशि निकाल ली।

उन्होंने कथित तौर पर खाता खोलने के समय अलग-अलग विवरण वाले दस्तावेज प्रस्तुत किए थे। पुलिस को उसके पास से फर्जी विजिटिंग कार्ड भी मिले, जिन पर उसे संयुक्त राष्ट्र और ब्रिक्स से जुड़ा हुआ दिखाया गया था।

ध्रुव जुरेल का पहला टेस्ट शतक, बने भारत के 12वें विकेटकीपर शतकवीर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ध्रुव जुरेल ने अपने करियर का पहला टेस्ट शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन 24 वर्षीय जुरेल 99 रन पर थे, लेकिन दबाव को दरकिनार करते हुए उन्होंने रोस्टन चेज़ की गेंद पर चौका जड़कर यह उपलब्धि हासिल की।

जुरेल भारत के लिए टेस्ट में शतक लगाने वाले 12वें विकेटकीपर बने। वह विजय मांजरेकर, फारुख इंजीनियर, अजय रात्रा और रिद्धिमान साहा जैसी हस्तियों की सूची में शामिल हो गए। वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह सिर्फ पांचवें भारतीय विकेटकीपर हैं।

2025 में यह किसी भारतीय विकेटकीपर का तीसरा शतक है, जो एक कैलेंडर वर्ष में भारत की ओर से विकेटकीपरों द्वारा सर्वाधिक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2013 में दक्षिण अफ्रीका के पास था, जिसने एक वर्ष में चार शतक देखे थे।

जुरेल ने चौका मारकर शतक पूरा करने के बाद बल्ला घुमाकर अनोखे अंदाज़ में जश्न मनाया। स्टेडियम में दर्शक खड़े होकर उनकी पारी की सराहना कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्वीप, कट और ड्राइव के साथ तेज़ बल्लेबाजी की और एक शानदार छक्का भी लगाया।

आस्ट्रेलिया वनडे : बुमराह-गिल के कार्यभार पर होगी चर्चा, अभिषेक और जायसवाल में से किसे मिलेगा मौका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे क्रिकेट में भविष्य को लेकर चर्चा होगी लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए उनका चयन तय है हालांकि कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए भारतीय टीम में कुछ बदलाव करने होंगे। चयनकर्ता वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे टेस्ट के दौरान वनडे टीम का चयन करेंगे लेकिन घोषणा मैच के बाद हो सकती है।

हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत चोटों के कारण उपलब्ध नहीं होंगे जबकि एशिया कप और उसके तीन दिन के भीतर दो टेस्ट की श्रृंखला खेलने वाले टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को भी ब्रेक की जरूरत है। ऐसे में उन्हें वनडे या टी20 या दोनों से आराम दिया जा सकता है। रोहित और कोहली मार्च में चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेले हैं और उन्होंने पिछले सात महीने में काफी मेहनत की है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शतक के अलावा आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में सर्वाधिक रन बनाये थे।

वहीं रोहित ने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ विजयी पारी खेली। रोहित को कप्तानी से हटाने का भी कोई कारण नहीं है क्योंकि इस प्रारूप में वह काफी सफल रहे हैं। वह खुद बल्लेबाजी पर फोकस करने के लिए कप्तानी छोड़ना चाहें तो बात अलग है। दोनों टेस्ट और वनडे से रिटायर हो चुके हैं और सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलते हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप को देखते हुए उनके भविष्य पर भी बात होगी।

बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार इस सत्र में सिर्फ छह वनडे खेले जाने हैं जिनमें तीन आस्ट्रेलिया में और तीन न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत में होंगे लिहाजा ठोस फैसला हड़बड़ी में नहीं लिया जा सकता। इस समय प्राथमिकता अगले साल भारत में होने वाला टी20 विश्व कप और 2025 में घरेलू टेस्ट से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अधिकतम अंक लेना होगा। टीम में कोहली और रोहित के रहने का संकेत वनडे श्रृंखला के लिए प्रसारक जियो हॉटस्टार के प्रोमो से भी मिला है जिसमें इन दोनों के पोट्रेट दिखाये गए हैं।

बुमराह की बात करें तो उनकी विश्व चैम्पियन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोनों टेस्ट में जरूरत है भले ही मेडिकल टीम या खुद बुमराह वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट नहीं खेलने का फैसला लें, जो कि अभी अस्पष्ट है। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने कहा था कि बुमराह ने खुद वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों टेस्ट खेलने की इच्छा जताई है।

एशिया कप और अब दो टेस्ट खेलने के बाद अगली टेस्ट श्रृंखला तीन सप्ताह बाद है और फिर टी20 विश्व कप से पहले टी20 श्रृंखला। ऐसे में बुमराह को अत्यधिक यात्रा से बचाने के लिए आस्ट्रेलिया दौरे से ब्रेक दिया जा सकता है। पंड्या वनडे श्रृंखला तक फिट नहीं होंगे और ऐसे में नितीश कुमार रेड्डी को मौका मिल सकता है। दूसरा विकल्प शिवम दुबे है लेकिन आस्ट्रेलियाई हालात में उनकी गेंदबाजी की परीक्षा नहीं हुई है।

एशिया कप के बाद थमा अभिषेक शर्मा का बल्ला

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहली गेंद पर आउट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के नंबर 1 टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, जो हाल ही में एशिया कप 2025 में अपने प्रदर्शन से सुर्खियों में थे, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक वनडे में बुरी तरह फ्लॉप रहे। कानपुर में खेले जा रहे मैच में वह पारी की शुरुआत करने उतरे लेकिन पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

एशिया कप 2025 में अभिषेक ने 300 से ज़्यादा रन बनाए थे और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने उम्मीद जगाई थी कि वे इस श्रृंखला में भी चमकेंगे। लेकिन दूसरी ही ओवर में जैक एडवर्ड्स की गेंद पर वह विल सदरलैंड को कैच थमा बैठे।

पहले मैच में शतक जड़ने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर भी इस मुकाबले में रन बनाने में असफल रहे। इससे भारत ए की शुरुआत बेहद खराब रही। हालांकि पिछले मैच में भारत ए ने प्रियांश आर्य और अय्यर के शतकों की बदौलत 171 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

जीएसटी कटौती से कंपनियों की बल्ले-बल्ले

टूटा बिक्री का 10 साल पुराना रिकॉर्ड, दिवाली पर भी मचेगी धूम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नवरात्रि के दौरान उपभोक्ता सामान से लेकर ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। इस दौरान बिक्री का 10 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। जीएसटी कटौती और घटती कीमतों की वजह से ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। सरकार ने दावा किया है कि 22 सितंबर से लागू नए रेट्स के तहत करीब 400 आइटम्स पर टैक्स कम हुआ है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग ब्रांड्स की बिक्री 25इ से लेकर 100इ तक बढ़ी है। यह कंपनियों और दुकानदारों के लिए बड़ी राहत की बात है। पिछले 5-6 साल से बाजार में मांग बहुत कम थी। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने बताया कि उनकी नवरात्रि की बिक्री पिछले साल से दोगुनी हो गई है। यह कम से कम दस साल में उनकी सबसे अच्छी बिक्री रही है। स्विफ्ट और ऑल्टो जैसी कारें बनाने वाली इस कंपनी को नवरात्रि के दौरान बुधवार रात तक 700, 530 क्वेरी मिली।

भारत के सबसे बड़े रिटेलर रिलायंस रिटेल की बिक्री पिछली नवरात्रि के मुकाबले 20-25इ बढ़ी। इसमें बड़े स्क्रीन वाले टीवी, स्मार्टफोन और फैशन के सामान ने बिक्री को आगे बढ़ाया। इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन विजय सेल्स की बिक्री में भी 20इ से ज्यादा तेजी आई है।

दुकानदारों का कहना है कि नवरात्रि में उमड़ी ग्राहकों की भीड़ दिवाली और शादी के सीजन में और ज्यादा बढ़ेगी। टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर जैसे घरेलू सामानों की मांग दिवाली के बाद भी मजबूत रहने की उम्मीद है।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास, कपिल देव और इमरान खान की बराबरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जड़कर एक नया इतिहास रच दिया। इस पारी के साथ जडेजा ने कपिल देव और इमरान खान जैसे महान ऑलराउंडरों की उपलब्धि की बराबरी की। वह अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने छह या उससे अधिक टेस्ट शतक बनाए हैं और साथ ही 300 से अधिक विकेट भी अपने नाम किए हैं।

36 वर्षीय जडेजा ने 169 गेंदों पर अपना छठा टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने यह उपलब्धि भारतीय पारी के 126वें ओवर में जोमेल वारिकन की गेंद पर एक रन लेकर हासिल की। इस पारी ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में महान ऑलराउंडरों की उस खास सूची में पहुंचा दिया, जहां केवल गिने-चुने नाम मौजूद हैं।

जडेजा अब इयान बॉथम, कपिल देव, इमरान खान, रवि अश्विन और डेनियल विटोरी जैसे दिग्गजों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। यह उपलब्धि उन खिलाड़ियों की पहचान है जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से खेल को नई ऊंचाई दी है। जडेजा का नाम इस सूची में भारतीय गौरव को और बढ़ाता है।

इस शतक के बाद जडेजा अब टेस्ट क्रिकेट में 4000 रन और 300 से अधिक विकेट लेने वाले चौथे क्रिकेटर बनने से केवल 10 रन दूर हैं। इस क्लब में फिलहाल कपिल देव, इयान बॉथम और डेनियल विटोरी जैसे नाम शामिल हैं। आने वाले समय में जडेजा इस ऐतिहासिक मुकाम को भी हासिल कर सकते हैं।

कैश ऑन डिलीवरी पर एक्सट्रा चार्ज पर जांच शुरू, ग्राहकों से ठगी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्र सरकार अब अमेज़न, फ्लिपकार्ट और अन्य ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों की सीओडी (कैश ऑन डिलीवरी) पर लगाई जाने वाली अतिरिक्त फीस की जांच कर रही है। सरकार यह देख रही है कि क्या कंपनियां ग्राहकों को प्रीपेड भुगतान के लिए मजबूर कर रही हैं और अगर ऑर्डर कैंसल हो जाए तो रिफंड में देरी या रुकावट क्यों हो रही है।

मंत्रालय उपभोक्ता शिकायतों की समीक्षा कर रहा है और जल्द ही ई-कॉमर्स कंपनियों, उपभोक्ता अधिकार संगठनों और उद्योग समूहों के साथ बातचीत करेगा ताकि ग्राहकों के अधिकार और कंपनियों की जरूरतों में संतुलन बनाया जा सके। वर्तमान में अमेजन सीओडी पर 7-10 रुपए चार्ज करता है, जबकि फ्लिपकार्ट और फर्स्टक्राई 10 रुपए अतिरिक्त लेते हैं।

फरवरी 2024 में 25 राज्यों के 35, 000 ग्राहकों पर किए सर्वे के अनुसार, 65इ ग्राहकों ने अपनी आखिरी ऑनलाइन खरीदारी में सीओडी का विकल्प चुना था। खासकर कम आय वाले परिवारों में डिलीवरी के बाद भुगतान करना अधिक लोकप्रिय है। खासकर फैशन और कपड़ों की खरीदारी में सीओडी सबसे ज्यादा लोकप्रिय है, जिन परिवारों की सालाना आय 3.6 लाख रुपए से कम है, वे डिलीवरी के बाद पेमेंट करना ज्यादा पसंद करते हैं।

भारत का ई-कॉमर्स बाजार वर्तमान में 160 बिलियन डॉलर का है और 2030 तक 345 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। बढ़ते बाजार और ऑनलाइन धोखाधड़ी की आशंका को देखते हुए सरकार इस मामले में सख्ती कर रही है।

इंडस्ट्री का कहना है कि सीओडी पर फीस का उद्देश्य बार-बार ऑर्डर कैंसल होने से रोकना है, जबकि उपभोक्ता संगठन इसे ग्राहकों के लिए परेशानी और उनके पैसे के ब्लॉक होने के रूप में देखते हैं। सरकार की जांच से उम्मीद है कि ऑनलाइन शॉपिंग और भरोसेमंद और सुरक्षित बनेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.33 अरब घटकर 700.24 अरब डॉलर पर

मुंबई **(एजेंसी)**। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.33 अरब डॉलर घटकर 700.24 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 39.6 करोड़ डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.39 अरब डॉलर घटकर 581.76 अरब डॉलर रहीं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है।

केन्द्रीय बैंक के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 2.24 अरब बढ़कर 95.02 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) नौ करोड़ डॉलर घटकर 18.78 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत का आरक्षित भंडार 8.9 करोड़ डॉलर घटकर 4.67 अरब डॉलर रह गया।

महिला विश्व कप : इंग्लैंड की धमाकेदार शुरूआत द. अफ्रीका को 69 रन पर ढेर कर दर्ज की बड़ी जीत

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। लिंसे स्मिथ की अगुवाई में स्पिनरों के अथक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराकर आईसीसी महिला विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। स्मिथ की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका को महज 69 रनों पर ढेर कर दिया जिसके बाद मैच का नतीजा लगभग तय था। स्मिथ ने इस मैच में 7 रन देकर 3 विकेट लिए।

इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स (40) और टैमी ब्यूमोंट (21) की बदौलत बिना किसी परेशानी के महज 14.1 ओवर में जीत हासिल कर ली। दक्षिण अफ्रीका की पारी की तरह गेंदबाजों ने भी थोड़ी स्विंग और धार दिखाई, लेकिन इंग्लैंड की बल्लेबाज कोई भी नई पारी खेलने के मूड में नहीं थीं। अनुभवी तेज गेंदबाज मारिजैन कैप ने ब्यूमोंट को कुछ बेहतरीन गेंदबाज़ी की, लेकिन इतने अकेले गेंदबाजों के दम पर इस लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सकता था।

इंग्लैंड के स्पिनर स्मिथ, सोफी एक्लेस्टोन (2/19) और चार्ली डीन (2/14) - असली हीरो साबित हुई जिन्होंने अपने बल्लेबाजों के लिए लक्ष्य का अविश्वसनीय रूप से आसान पीछा तैयार किया। बाएं हाथ की स्पिनर स्मिथ ने तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी महिला विश्व कप में अपने दूसरे सबसे कम स्कोर पर समेट दिया।

गेंदबाजों की पकड़ वाली पिच पर इंग्लैंड ने, जिसने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, दूसरे ओवर में ही स्मिथ (4-2-7-3) को गेंद थमा दी और इस कदम का तुरंत फायदा हुआ। स्मिथ ने दूसरे ओवर की दूसरी ही गेंद पर एक आसान रिटर्न कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वाडर्ट को आउट कर दिया।

स्मिथ ने चौथे ओवर में वापसी करते हुए ताजमिन ब्रिट्स को एक कोण से आती हुई गेंद पर आउट किया और छठे ओवर में उन्होंने अनुभवी कप्प को आउट कर दिया।

कप्प का आगे की ओर किया गया प्रयास गेंद तक नहीं पहुंच पाया और स्मिथ की गेंद स्टंप्स पर जा लगी। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने सुने लुस को आउट किया और दक्षिण अफ्रीका पहले छह ओवरों में ही 19 रन पर चार विकेट खोकर लड़खड़ा रहा था, और वे उस स्थिति से कभी उबर नहीं पाए। दक्षिण अफ्रीका की कैप, लूक और ब्रिट के आउट होने के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का पूरा दबाव था। लेकिन वे इस चुनौती को पूरा नहीं कर पाए और थोड़ी सुस्त पिच और सटीक इंग्लैंड के गेंदबाज़ों के आगे घुटने टेक दिए।

यूरोपा लीग : रोमा ने तीन बार पेनल्टी गंवाई, लिली ने 1-0 से हराया

रोम **(एजेंसी)**। रोमा ने मैच के आखिर मिनटों में पेनल्टी स्पॉट से लगातार तीन प्रयास गंवा दिए जिससे लिली ने यूरोपा लीग फुटबॉल में इटली की इस क्लब को 1-0 से हरा दिया। रोमा को मुकाबले में बराबरी करने के लिए स्पॉट से तीन मौके दिये गये लेकिन आर्टेम डोवबिक के शुरुआती दो प्रयास पर गोलकीपर बर्क ओजर ने शानदार बचाव किया। रेफरी ने गोल पोस्ट के पास अधिक खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण फिर से पेनल्टी का आदेश दिया। रोमा ने इस बार पेनल्टी लेने के लिए माटियास सोले को चुना लेकिन ओजर ने उनके प्रयास को भी विफल कर दिया। इससे पहले मैच के छठे मिनट में हाकोन अर्नार हेराल्डसन ने गोल कर फ्रांस की इस टीम का खाता खोला। लिली की यह दो मैचों में लगातार दूसरी जीत है।

अन्य मैचों में ब्रागा ने सेल्टिक और रीयाल बेटिस ने लुडोगोरेट्स को एक समान 2-0 से हराया। केरेम अकतुर्कोग्लू के दो गोल की मदद से फेनरबाचे ने नीस पर 2-1 से जीत दर्ज की। गो अहेड ईगल्स ने इसी अंतर से पैनाथिनाइकोस को हराया। टीम के लिए दोनों गोल मिलान स्मिट ने किये। चेक रिपब्लिक क्लब विक्टोरिया प्लजेन ने स्वीडिश क्लब माल्मो पर 3-0 से अपनी पहली जीत दर्ज की।

टीआरपी की रेस में 'अनुपमा' का जलवा बरकरार, बिग बॉस 19 पर गिरी गाज

घर-घर में ये टीवी सीरियल टीआरपी में धूम मचा रहे है। हाल ही में बीएआरसी ने 38वें हफ्ते की टीआरपी रिपोर्ट जारी कर दी है। इस बार इन रिपोर्ट्स में काफी बदलाव देखने को मिला है। पिछले कुछ हफ्तों में 'अनुपमा', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 और 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' टीआरपी चार्ट में टॉप 3 पर बने हुए थे। हालाकिं, इस बार ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। दरअसल, एक सीरियल ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' बैंड बजा दिया है। इस बार इस सीरियल की रैंकिंग में भारी गिरावट देखने को मिली है।

इस बार भी टीआरपी के मामले में अनुपमा पहले नंबर पर बना हुआ। अनुपमा की टीआरपी 2.3 है। दूसरे नंबर पर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' बना हुआ है, जिसकी टीआरपी 2.2 है। अब यही देखना बाकी रह गया है कि स्मृति ईरानी स्टारर 'अनुपमा' को कब पछाड़ देंगी। अब कह सकते हैं कि मैकर्स टॉप 1 पर आने का खूब प्रयास भी कर रहे हैं।

टीआरपी रेटिंग में तीसरे स्थान पर 1.9 की रैंकिंग में सीरियल 'उड़ने की आशा' है और 1.8 की टीआरपी के साथ 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' चौथे स्थान पर सरक गया है। वहीं, पाचवें स्थान की बात करें तो शरद केलर स्टारर सीरियल 'तुम से तुम तक' इस हफ्ते 1.7 की टीआरपी पर रहा है। इसके अलावा, नया शो 'गंगा माई की बेटियां' टीआरपी के मामले में छंठे स्थान पर रहा है। इसको टीआरपी रैंकिंग 1.5 मिली है।

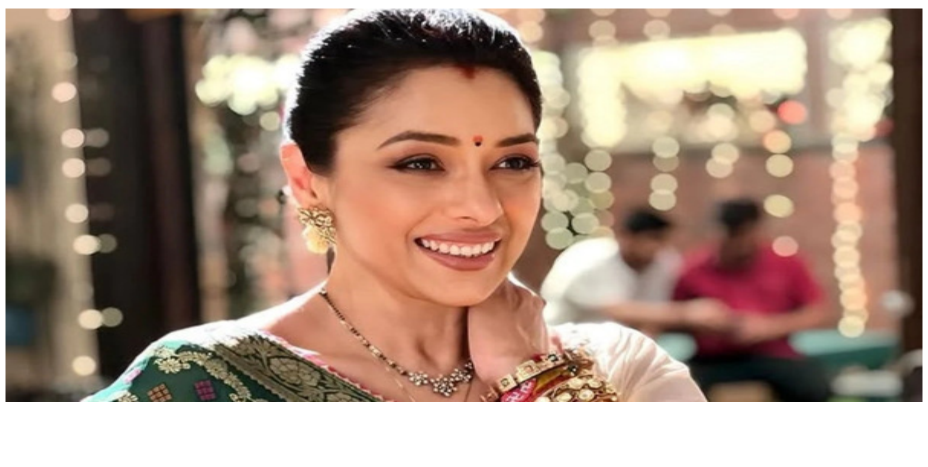

इतना ही नहीं, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को इस बार है 1.5 की टीआरपी के साथ सातवें स्थान पर आया है। इस हफ्ते'वसुधा' ने 1.5 की टीआरपी के साथ आठवें स्थान हांसिल किया है और नौवें स्थान पर 1.4 के साथ 'मन्नत' और 1.3 की टीआरपी के साथ 'मंगल लक्ष्मी' है। हालांकि, इस बार बिग बॉस 19 काफी पीछे रह गया है। जिसकी टीआरपी 38वें हफ्ते 1.1 रैंकिंग के साथ 19वें स्थान पर आ गया है।

ट्विंकल खन्ना ने साझा किया ऋषि कपूर से जुड़ा मजेदार किस्सा, सुनकर हैरान रह गई आलिया भट्ट

ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के एक एपिसोड में दिवंगत दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर से जुड़ा एक अजीबोगरीब लेकिन हल्का-फुल्का किस्सा साझा किया है, जिसने इंटरनेट पर सुर्खियां बटोरी हैं। इस एपिसोड में आलिया भट्ट और वरुण धवन विशेष अतिथि थे। ट्विंकल ने खुलासा किया कि सालों पहले ऋषि कपूर के एक मासूम से जन्मदिन के ट्वीट के कारण सोशल मीडिया यूजर्स ने यह मान लिया था कि वह उनकी नाजायज बेटी हैं। यह गलतफहमी कपूर के एक अजीबोगरीब मैसेज से पैदा हुई, जिसमें उन्होंने ट्विंकल की मां डिंपल कपाड़िया के साथ उनकी गर्भावस्था के दौरान फिल्मांकन की यादें ताजा की थीं।

ट्विंकल ने मजाकिया लहजे में याद करते हुए कहा, 'मैं आलिया के ससुर (ऋषि कपूर) की वजह से लगभग कपूर बन ही गई थी। मेरे जन्मदिन पर, उन्होंने बड़ी उदारता से ट्वीट किया, 'ओह, तुम्हें पता है... जब तुम अपनी मां के पेट में थीं, तो मैंने उनके लिए गीत गाए थे।' और इसलिए, सभी को लगा कि मैं उनकी नाजायज बेटी हूं।'

इस मजाकिया गलतफहमी ने इंटरनेट पर तेजी से तूल पकड़ा, जिसके बाद ऋषि कपूर को खुद आगे आकर सफाई देनी पड़ी। बाद में उन्होंने माफी मांगते हुए ट्वीट किया और पूरा मामला समझायाः 'जन्मदिन मुबारक हो, प्यारी! 1973 में जब मैं 'बॉबी' में तुम्हारी मां को गाना गा रहा था, तब तुम उनके पेट में थीं, हाहा।'

शो के दौरान, जब ट्विंकल यह किस्सा सुना रही थीं, तो काजोल ने आलिया भट्ट के अजीब हाव-भाव की ओर इशारा किया। इस पर ट्विंकल ने हंसते हुए कहा, 'मैं तुम्हारी भाभी नहीं हूं; यह एक गलती थी।' वरुण धवन ने भी मजाक करते हुए कहा कि आलिया को समझ नहीं आ रहा कि कैसे रिएक्ट किया जाए।